Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2022-24
website- www.dvpnews.in
रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 285 ● वर्ष : 11 ● रायपुर, शनिवार 11 मई 2024 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

कोई किसी का मित्र नहीं और किसी का शत्रु नहीं है, बर्ताव से ही मित्र या शत्रु पैदा होते हैं।

No one is the friend and no one is the enemy of others, the behavior makes friend and enemy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

संक्षिप्त समाचार

केसी वेणुगोपाल ने कहा- कांग्रेस अमेठी, रायबरेली दोनों सीटों पर जीतेगी

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। एआईसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल का कहना है कि कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में अमेठी और रायबरेली दोनों सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने शुक्रवार को कहा, मैं दोनों निर्वाचन क्षेत्रों में गया हूं और प्रतिक्रिया बेहद सकारात्मक है। कांग्रेस पार्टी दोनों सीटों से जीतेगी। अमेठी से कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे केएल शर्मा एक ऐसे व्यक्ति हैं जो इन दोनों निर्वाचन क्षेत्रों को अपनी हथेली के पिछले हिस्से की तरह जानते हैं, क्योंकि पिछले 35 वर्षों से वह वहां काम कर रहे हैं। राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ने का कारण उस निर्वाचन क्षेत्र से उनका गहरा भावनात्मक लगाव है।

बिरहोर के भाई' जागेश्वर यादव को मिला पद्मश्री, मुख्यमंत्री साय ने बताया गौरव का क्षण

रायपुर (विसं)। छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए काम करने वाले जागेश्वर यादव को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपने पोस्ट में 'बिरहोर के भाई' जागेश्वर यादव को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आदिवासी उत्थान के लिए उनकी प्रतिबद्ध को प्रेरणादायक और अनुकरणीय बताया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

कहा- भूपेश नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिले

रायपुर (विसं)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीनों चरणों के मतदान पूरे होने के एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर निशाना साधा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व मुख्यमंत्री पर आरोप लगाते हुए कहा कि मोदी जी की सरकार कभी किसी से भेदभाव नहीं करती है। पिछली कांग्रेस सरकार के साथ भी कोई भेदभाव नहीं था। लेकिन यहां की सरकार, स्वयं भूपेश बघेल भी नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले। उनकी सोच थी कि, इसका श्रेय भाजपा और मोदी जी को चला जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में 18 लाख गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हो गए। यही हाल राष्ट्रीय राजमार्ग एवं आयुष्मान योजना का रहा। इन योजनाओं को पूर्व सरकार ठीक से लागू नहीं कर पाई इसलिए उन्हें सरकार से हाथ धोना पड़ा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने एक इंटरव्यू में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अपने काम के अनुभव को साझा करते हुए कहा था कि, मेरा सौभाग्य है कि जब अटल जी प्रधानमंत्री थे, तब मैं पार्लियामेंट में था। उसी समय उन्होंने 1 नवंबर वर्ष 2000 को छत्तीसगढ़ को एक नए प्रदेश के रूप में पहचान दी। अटल जी की भाषा शैली को विपक्ष के लोग भी उत्साह से सुनते थे। कुशल समन्वयक थे, सबको साथ लेकर चलते थे। 23 पार्टियों के साथ मिलकर उन्होंने सरकार चलाई।

गरीब-किसान वर्ग के लिए कई काम किए : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आगे बताया कि, अटल जी ने किसानों के हित में कई कार्य किए। जो किसान पहले ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज के बोझ तले परेशान थे उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कम ब्याज में कर्ज देने का काम अटल सरकार ने किया। फसल बीमा जिसका पहले केवल नाम सुनते थे उसको सरल बनाया, जिसका फायदा भी किसानों को मिला।

प्रधानमंत्री मोदी के 10 साल : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी जी के दस वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्य ङ्क हर घर बिजली-पानी, फ्री राशन, गैस सिलेंडर, बैंक अकाउंट खुलवाना, शौचालय निर्माण सहित करोड़ों लोगों की भावना से जुड़े भगवान राम मंदिर का निर्माण और दो निशान, दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेगा की तर्ज पर धारा 370 हटाना जैसी अनेक उपलब्धियां लोगों के बीच लेकर जा रहे हैं।

पूर्व सरकारों में होता था भ्रष्टाचार : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, पूर्व की सरकारों में विकास का पैसा भ्रष्टाचार एवं कमीशनखोरी की बलि चढ़ जाता था। स्व. राजीव गांधी खुद कहा करते थे कि वो दिल्ली से 1 रूपए भेजते हैं लेकिन लोगों तक केवल 15 पैसा ही पहुंचता है। मोदी जी ने गरीबों के लिए बहुत से काम किए हैं साथ ही पूरे विश्व में उनका मान-सम्मान भी बढ़ाया है।

मोदी की गारंटी पर कार्य : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी जबसे हमारी सरकार बनी है, मोदी की गारंटी पर रॉकेट की गति से सांय-सांय काम हो रहे हैं। जिसे जनता समझ रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ की सभी सीटों पर हम चुनाव जीतने जा रहे हैं। ये चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए सबक होंगे।

छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में भाजपा मजबूत : दूसरे प्रदेशों में लगातार सभाओं के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, उड़ीसा में प्रचार करने जा रहा हूं। जहां पूरा वातावरण भाजपा के पक्ष में हैं और 400 पार का हमारा संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है।

पार्टी के आदेश सर्वोपरि : केंद्र या राज्य की राजनीति में पसंद के सवाल पर विष्णुदेव साय ने कहा कि पार्टी का आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है। जहां भी काम करने का आदेश आएगा वहां काम करेंगे। मुझे यहां तक पहुंचाने वाली भी भारतीय जनता पार्टी है। वहीं अपने पसंदीदा खाने के सवाल पर श्री साय ने कहा कि कुछ स्पेशल मुझे पसंद नहीं है, जो मिल जाए दाल- चावल, सब्जी रोटी, मैं वो खा लेता हूं। हमारी धर्मपत्नी अपने घर में रहती है, वो हमारा परिवार संभालती है और हम यहां रायपुर में। पहले भी जब हम सांसद थे तो अधिकतर समय दिल्ली में ही रहना होता था या लोगों के बीच में, जिससे खाना बाहर ही खा लेते थे। इस कारण पत्नी के हाथों से बना खाना बहुत ही कम खाने को मिलता है।

3 करोड़ जनता के भरोसे पर उतरना है खरा: सीएम

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि पहले उन्होंने विधायक, सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम किया उस समय जिम्मेदारी भी छोटी थी। लेकिन अब एक प्रदेश के मुखिया होने के नाते उनका कार्य क्षेत्र बढ़ा है और जिम्मेदारी भी। जिससे समय और दिनचर्या में परिवर्तन करना जरूरी है। ताकि लोगों के विश्वास पर खरा उतर सकें। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता ने मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी पर बहुत विश्वास किया है। हम लोगों का भी पूरा प्रयास है कि, हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। छत्तीसगढ़ की जनता की खुशहाली के लिए जितनी भी मेहनत की जाए वो कम है। इसलिए वो वक्त देख कर नहीं जनता को देख कर पूरी ऊर्जा से काम कर रहे हैं।

क्या होगा छत्तीसगढ़ का अगला मुकाम

मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई कि, मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर डबल इंजन की उनकी सरकार छत्तीसगढ़ को उस मुकाम पर पहुंचाने में कामयाब होगी जिसका छत्तीसगढ़ असल हकदार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

कहा- शहजादे के गुरु ने राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ बताया

नंदुरबार (आरएनएस)। महाराष्ट्र के नंदुरबार में प्रधानमंत्री मोदी ने चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए सैम पित्रोदा के नस्लीय टिप्पणी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रहार किया। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस का एजेंडा कितना खतरनाक है। यह शहजादे के गुरु ने इसका खुलासा किया है। शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है। उन्होंने यहां तक कह दिया कि मेरा मंदिर जाना भारत विरोधी है। कांग्रेस राम के देश में राम मंदिर को देश विरोधी बता रही है।

रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर बरसते हुए कहा कि कांग्रेस ने कभी आदिवासी समाज को सम्मान नहीं दिया और ना देने दिया। आदिवासी क्रांतिकारियों ने आजादी की लड़ाई में इतने बलिदान दिए। लेकिन यह बलिदान की बात मानने को तैयार नहीं है। आजादी की पूरी लड़ाई का श्रेय कांग्रेस केवल एक परिवार को ही देती है। ये भाजपा है जो आदिवासी स्वतंत्र सेनानियों पर म्यूजियम बनवा रहे है ताकि आने वाली पीढ़ियों को पता चल सके कि हमारे पूर्वज आदिवासियों ने देश के लिए कितना बड़ा बलिदान दिया था।

पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया और पहली बार ऐसा हुआ है। लेकिन आपको याद रहना चाहिए, वो कौन लोग थे, इन्होंने आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनाव हराने के लिए रात दिन एक कर दिया था। ये कांग्रेस वाले लोग थे। जिन्होंने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए रात दिन एक किया था। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने ऐसा क्यों किया इसकी वजह अभी दो-तीन दिन पहले ही खुली है। कांग्रेस के शहजादे के गुरू अमेरिका में रहते है। उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। रंग के आधार पर भेद, ऐसा गंभीर आरोप लगाया है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है, इसलिए द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति बनें, यह उन्हें मंजूर नहीं था। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, कांग्रेस जानती है कि वे विकास में मोदी का मुकाबला कर ही नहीं सकते। इसलिए उन्होंने इस चुनाव में झूठ की फैक्ट्री खोली है और झूठ फैलाकर वे वोट लेना चाहते हैं। कभी आरक्षण को लेकर झूठ, कभी संविधान को लेकर झूठ बोलते हैं, आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहब अंबेडकर की भावना के खिलाफ है, संविधान की भावना के खिलाफ है। लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है - दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोट बैंक को देना।

हैदराबाद में मंच से पीएम मोदी ने विपक्ष को बताया क्या है आईडिया ऑफ इंडिया

नई दिल्ली (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के हैदराबाद में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। इस रैली में पीएम मोदी ने विपक्ष को आईडिया ऑफ इंडिया के बारे में मंच से बता दिया। मंच से पीएम मोदी ने कहा कि 4 जून के नतीजे अब बिल्कुल स्पष्ट हैं, इस दिन देश जीतेगा, 140 करोड़ भारतीयों का संकल्प जीतेगा और भारत के विरोधी हारेंगे, आत्मनिर्भर भारत अभियान के विरोधी हारेंगे। उन्होंने कहा कि 4 जून को सीएए, यूसीसी के विरोधी हारेंगे, वोट जिहाद की बात करने वाले हारेंगे। उन्होंने इसके साथ ही मंच से कहा कि भारत को विदेशी चश्मे से देखने वाली कांग्रेस को आईडिया ऑफ इंडिया के बारे में कुछ भी अंदाज नहीं है। कांग्रेस तो कहती है कि भगवान राम की पूजा आईडिया ऑफ इंडिया के खिलाफ है। मंच से उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शहजादा के मेंटर, भारतीयों को चीनी और अफ्रीकन कह रहे हैं। कांग्रेस केवल बांटना और राज करना जानती है।

यूपी में भाजपा की सबसे बड़ी हार होगी, यहां पर इंडिया गठबंधन का आ रहा तूफान : राहुल गांधी

कांग्रेस नेता ने कन्नौज में इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली में अखिलेश यादव के पक्ष में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

कन्नौज (आरएनएस)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को कन्नौज में इंडिया गठबंधन की संयुक्त रैली में सपा मुखिया अखिलेश यादव के पक्ष में एक जनसभा में कहा कि यूपी में भाजपा की सबसे बड़ी हार होगी, यहां पर इंडिया गठबंधन का तूफान आ रहा है। इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह भी मौजूद रहे। राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी और शाह चुनाव के वक्त आप सबका ध्यान भटकाने का काम करेंगे। लेकिन आप को संविधान बचाने के लिए भाजपा के खिलाफ वोट करना होगा। यूपी में इंडी गठबंधन का तूफान आ रहा है। यूपी में बीजेपी की सबसे बड़ी हार होने जा रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि पीएम मोदी फिर से पीएम बने तो गांधीजी और अंबेडकर के बनाए संविधान को खत्म करने का काम करेंगे। लेकिन हम कहते हैं कि किसी को हम संविधान की किताब नष्ट करने के लिए हाथ नहीं लगाने देंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को जेल भेजा, सत्येंद्र जैन को जेल भेजा, मनीष सिसोदिया को जेल भेज दिया। अरे पूरी जिंदगी जेल में रखो, डरने वाले नहीं हैं।

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि अखिलेश यादव की कन्नौज से बहुत बड़ी जीत होने जा रही है। ये लोकतंत्र का आखिरी चुनाव है, भाजपा जीतेगी तो संविधान खत्म हो जाएगा। अखिलेश यादव पांच साल मुख्यमंत्री रहे। ऐसे में भाजपा की नफरत देखिए, मुख्यमंत्री आवास को गंगाजल से धुलवाकर उनका अपमान किया गया है। वहीं, अब कन्नौज में अखिलेश जी मंदिर में गए, तो वहां भी भाजपा वालों ने गंगाजल से धोकर उनका अपमान किया।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि कन्नौज को विकास की ऊंचाइयों तक ले जाने का काम किया है, कन्नौज में जितने भी बड़े-बड़े काम दिखाई दे रहे हैं, समाजवादी सरकार के किए हुए हैं। जो लोग हाईवे पर चलते हैं उनको पता है कि हाईवे समाजवादियों ने बनवाया है, लेकिन हमने कभी हाईवे को धुलवाया नहीं।

अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से 1 जून तक मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (आरएनएस)। कथित शराब नीति घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने केजरीवाल को 1 जून तक अंतरिम जमानत दे दी है। चुनावों के बीच इसे केजरीवाल के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।बता दें कि ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने मामले की सुनवाई की।

केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर आखिरी सुनवाई 7 मई को हुई थी। तब सुनवाई के दौरान जस्टिस खन्ना ने कहा था, 2 साल में 1,100 करोड़ हो गया? आपने कहा कि अपराध की आय 100 करोड़ थी, यह 1,100 करोड़ कैसे हो सकती है? पूरी के पूरी आय अपराध की आय कैसे हो सकती है।इसके अलावा उन्होंने जांच में देरी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर भी सवाल उठाए थे। दिल्ली सरकार ने नवंबर, 2021 में नई शराब नीति लागू की थी। इसमें शराब के ठेके निजी शराब कंपनियों को दिए गए थे।

कोई माई का लाल नहीं जो देश से आरक्षण हटा सके : राजनाथ सिंह

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने झारखंड के दुमका में चुनावी जनसभा को किया संबोधित

दुमका (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को झारखंड के दुमका में चुनौतीपूर्ण अंदाज में कहा कि कोई माई का लाल नहीं है, जो देश से आरक्षण हटा सके। कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है तो वे आरक्षण को लेकर झूठा प्रचार कर रहे हैं।

दुमका सीट से भाजपा की प्रत्याशी सीता सोरेन के नामांकन के बाद यज्ञ मैदान में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने ईडी-आयकर के छापों में करोड़ों रुपए की बरामदगी की घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेसियों ने यह रकम गरीब जनता का खून पीकर इकट्ठा किया है। उन्होंने जनता से कहा कि आप इस चुनाव में इनकी लूट का बदला लीजिए। उन्हें अपने वोट के जरिए सजा दीजिए। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस की झारखंड सरकार पर आदिवासियों के स्वाभिमान और सम्मान को चोट पहुंचाने का आरोप लगाया।

कांग्रेस पर प्रहार करते हुए भाजपा नेता ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी से लेकर राजीव गांधी एवं मनमोहन सिंह तक तमाम प्रधानमंत्री गरीबी हटाने का राग अलापते रहे, लेकिन कोई फर्क नहीं पड़ा। दूसरी तरफ हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ भारतीयों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला। मोदी जी का संकल्प और हमारी पार्टी का फैसला है कि हम एक भी व्यक्ति को देश में गरीब नहीं रहने देंगे। मोदी सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इतने बड़े देश में प्रत्येक व्यक्ति को कोविड के दो से तीन टीके मुफ्त लगे, जबकि अमेरिका जैसा समृद्ध देश भी ऐसा नहीं कर सका। उन्होंने कहा कि दुनिया में धन-दौलत के मामले में हमारा देश दस साल पहले 11 वें स्थान पर था। मनमोहन सिंह दस साल पीएम रहे, लेकिन हमारा रैंक वहीं रहा। 2014 में मोदी जी के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद देश अर्थव्यवस्था के मामले में पांचवें स्थान पर पहुंच गया। आज अर्थव्यवस्था के बड़े जानकार कहते हैं कि भारत इतनी तेजी से बढ़ रहा है कि सारी दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद तीसरा स्थान हमारा होगा।

कांग्रेस की सरकारों पर महान आदिवासी नायक भगवान बिरसा मुंडा की उपेक्षा का आरोप मढ़ते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पहली बार उनकी जयंती 15 नवंबर को मोदी जी ने राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है। कांग्रेस-झामुमो के लोग केवल झूठ बोलकर और आंखों में धूल झोंककर राजनीति करते हैं, जबकि हम राजनीति केवल सरकार नहीं, देश और समाज बनाने के लिए करते हैं। उन्होंने विपक्ष के इस आरोप को निराधार बताया कि केंद्र की सरकार ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल विरोधियों के खिलाफ कर रही है। हमारी सरकार ने साफ कहा है कि भ्रष्टाचारी किसी भी पार्टी की हो, उसके कार्रवाई होनी चाहिए।

मणिशंकर अय्यर के बयान पर भाजपा का पलटवार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान प्रेम थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब कांग्रेस भारत में आतंकवादी भेजने वाले पाकिस्तान को इज्जत देने की बात कर रही है। कांग्रेस का हाथ आतंकवादियों एवं पाकिस्तान के साथ दिख रहा है और अब इसका एक और प्रमाण सामने आ गया। पूनावाला ने मणिशंकर अय्यर के बयान को लेकर गांधी परिवार और कांग्रेस पर सवाल खड़ा करते हुए कहा, कांग्रेस परिवार के करीबी मणिशंकर अय्यर जो कि पीएम मोदी को हटाने के लिए एक बार पाकिस्तान से मदद मांगने भी गए थे, अब वह पाकिस्तान की ताकत और उसके परमाणु बम को दिखा रहे हैं। मणिशंकर अय्यर, भारत में आतंकवादी भेजने वाले पाकिस्तान को इज्जत देने की बात कर रहे हैं, जबकि इसी कांग्रेस के नेता हमारी सेना के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट खुले, हेलीकॉप्टर से हुई पुष्पवर्षा

रुद्रप्रयाग (आरएनएस)। विश्वप्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट जय बाबा केदारनाथ के उदघोष और सेना के ग्रेनेडियर रेजीमेंट की बैंड की भक्तिमय धुनों के बीच इस यात्रा वर्ष शुक्रवार को ठीक 7 बजे विधि-विधान से खुल गए हैं। इस मौके पर दस हजार से अधिक श्रद्धालु कपाट खुलने के गवाह बने। उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी कपाट खुलने के अवसर पर मौजूद रहे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं को बधाई दी और देश एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। सीएम ने कहा कि इस बार चारधाम यात्रा नया कीर्तिमान बनाएगी। प्रदेश सरकार तीर्थयात्रियों की सभी सुविधाओं के लिए प्रतिबद्ध है।

कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए घमंडिया गठबंधन चला रहे हैं : जेपी नड्डा

पंचकूला (आरएनएस)। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पंचकूला में रोड शो के दौरान उमड़े जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा ने कांग्रेस के पाखंड और तुष्टिकरण को देखा है। नड्डा ने कांग्रेस पर तीखे वार करने के साथ-साथ मोदी सरकार द्वारा करवाए गए विकास कार्यों को गिनाते हुए अबकी बार 400 पार का नारा भी दोहराया। अंबाला लोकसभा प्रत्याशी बंतो कटारिया के समर्थन में नड्डा के इस भव्य रोड शो में उत्साहित भीड़ ने फूलों की वर्षा भी की और मोदी-मोदी के नारे लगाकर पूरे माहौल को मोदीमय बनाया।

शुक्रवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के इस रोड शो में उनके साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सौदान सिंह, हरियाणा भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया, लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं राज्यसभा सांसद सुभाष बराला, लोकसभा प्रत्याशी बंतो कटारिया, विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता, अंबाला से विधायक एवं राज्य मंत्री असीम गोयल भी मौजूद रहे। रोड शो के दौरान संबोधन में जेपी नड्डा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए घमंडिया गठबंधन चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के पाखंड और तुष्टिकरण को हरियाणा प्रदेश ने भी देखा है। उन्होंने कहा कि आज विपक्ष के ज्यादातर नेता या तो बेल पर है या फिर जेल में है। रोड शो के दौरान नड्डा ने कांग्रेस को घोटाले बाजों की पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि घोटालों के कारण सोनिया गांधी और राहुल गांधी आज बेल पर है। कांग्रेस के लोग भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए घमंडिया गठबंधन चला रहे हैं और देश में परिवारवाद तथा भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। जेपी नड्डा ने कहा कि वीर भूमि हरियाणा के पंचकूला रोड शो में दिखाई दे रहा उत्साह और उमंग प्रदेश की सभी सीटों पर कमल खिलाने का उद्घोष कर रहा है।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस विरोध करेगी : दीपक बैज

रायपुर (विसं)। स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी छत्तीसगढ़ में जन्में एक विद्वान संत और विश्वविख्यात आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे और इसीलिए कांग्रेस की सरकार ने इस योजना का नाम उनके नाम पर रखा था। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनके नाम को हटाना चाहती है। शासन की ओर से 'स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना' का नाम बदलकर 'पीएमश्री' करने का आदेश जारी किया गया है, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति लेने की कोशिश हो रही है।

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने एक स्थायी जज और दो एडिशनल जज को शपथ दिलाई

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा द्वारा अपने कोर्ट हाल में दोपहर 4 बजे न्यायमूर्ति श्री राकेश माहन पाण्डेय साहब, न्यायमूर्ति श्री सचिन सिंह राजपूत तथा न्यायमूर्ति श्री राधाकिशन अग्रवाल साहब को शपथ दिलाई गई। न्यायमूर्ति श्री राकेश माहन पाण्डेय द्वारा स्थायी जज के रूप में तथा न्यायमूर्ति श्री सचिन सिंह राजपूत तथा न्यायमूर्ति श्री राधाकिशन अग्रवाल द्वारा एडिशनल जज के रूप में शपथ ली गयी। इस अवसर पर समस्त माननीय न्यायमूर्तिगण भी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग, नई दिल्ली द्वारा 9 मई 2024 को उक्त के संबंध में अधिसूचना जारी की गयी है।

शपथ ग्रहण कार्यकम में महाधिवक्ता श्री प्रफुल्ल एन. भारत, डिप्टी सॉलीसिटर जनरल श्री रमाकांत मिश्रा, अध्यक्ष उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन श्री उमाकांत सिंह चंदेल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण एवं रजिस्ट्री व ज्यूडिशियल एकेडमी के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

जिले में पहुंचा प्रशिक्षु आईएएस का अध्ययन दल, कलेक्टर के.एल. चौहान से की सौजन्य मुलाकात

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। भारतीय प्रशासनिक सेवा छत्तीसगढ़ कैडर 2023 बैच के 4 प्रशिक्षु आईएएस की टीम शुक्रवार को अध्ययन एवं विकास गतिविधियों का अवलोकन हेतु बलौदाबाजार पहुंची। प्रशिक्षु अधिकारियों ने संयुक्त जिला कार्यालय में कलेक्टर श्री के. एल. चौहान से सौजन्य मुलाकात कर जिले में चल रहे विकास कार्यों सहित अन्य गतिविधियों से रूबरू हुए।कलेक्टर श्री चौहान ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जिले की भौगोलिक स्थिति, इतिहास, उद्योग, संस्कृति एवं पर्यटन तथा ऐतिहासिक स्थल के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जिला पंचायत सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल ने भी पंचायत विभाग द्वारा संचालित योजना से अवगत कराया।

बिलासपुर में पदस्थ सहायक कलेक्टर आईएएस तन्मय खन्ना ने बताया कि चारों प्रशिक्षुओं को अलग-अलग जिले में सहायक कलेक्टर पदस्थ किये गए हैं। उनकी टीम रायगढ़, कोरबा, जांजगीर, बिलासपुर होते हुए आज बलौदाबाजार पहुंची है। इस दौरान जिले में स्थित निजी सीमेंट प्लांट में जाकर उनकी पूरी गतिविधियों एवं प्रक्रियाओं से रूबरू हुए। इसके साथ ही उनके प्रोसेसिंग यूनिट सहित माइंस की जानकारी हासिल की। प्रशिक्षु आईएएस में रायपुर में पदस्थ सहायक कलेक्टर सुश्री अनुपमा आनंद, दुर्ग में पदस्थ सहायक कलेक्टर एम. भार्गव, जांजगीर -चाम्पा में पदस्थ सहायक कलेक्टर दुर्गा प्रसाद अधिकारी एवं प्रशिक्षु आईएफएस अक्षय दिनकर भोसले शामिल थे। निरक्षण के दौरान उप संचालक खनिज प्रशासन के. के. बंजारे भी मौजूद थे।

लखना में खनिज व राजस्व विभाग की बड़ी कार्यवाही, 4 माउंटेन चैन मशीन व 2 रेत से भरी हाइवा जब्त

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। जिले के अभनपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लखना (कोलियारी) में अवैध रेत खनन करने वाले माफियाओं के खिलाफ गोबरा नवापारा तहसीलदार सूरज बंछोर व खनिज विभाग की टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए रेत ढोते 4 माउंटेन चैन मशीन व 2 रेत से भरे हाइवा को जब्त किया. मिली जानकारी के अनुसार ये रेत भरे हाइवा के पास रॉयल्टी पर्ची नहीं था. वही ये माउंटेन चैन मशीन स्वीकृत घाट को छोड़कर दूसरी जगह पर रेत उत्तखनन कर रहे थे. और कार्यवाही करने पहुंची टीम को देखकर भागने लगे. जिसे खनिज विभाग की तत्परता और सूझ बूझ से पकड़ा गया.

नवापारा तहसीलदार सूरज बंछोर ने कहाकि ग्रामीणों की सूचना पर हमारी टीम वहां पहुंची जहाँ पर हमने देखा कि स्वीकृत घाट से दूसरी जगह पर खुदाई हो रही थी लिहाजा सभी 4 माउंटेन चैन मशीन को सील किया गया और 2 रेत से भरे हाइवा को नवापारा थाने में खड़ा कराया गया हैं. आगे भी ऐसे अनैतिक कृत्य करने वालो को बख्शा नहीं जायेगा. उन्होंने अवैध घाट और अवैध रूप से मुरुम उत्तखनन करने वालो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की बात कहीं. हालांकि इस कार्यवाही में यह पता नहीं चल पाया हैं कि ये काम किस व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था. लेकिन जाँच पश्चात सबंधित शख्श पर कड़ी कार्यवाही की बात तहसीलदार बंछोर द्वारा कहीं गयी.

सड़क पर डम्प किये मलवे को निगम कर रहा है जप्त

भिलाईनगर (आरएनएस)। निगम क्षेत्र में सड़क किनारे बेतरतीब रखे भवन से निकले निर्माण मलवा को निगम द्वारा जप्ती की कार्यवाही की जा रही है। ताकि लोग दुर्घटना का शिकार न हो और शहर की गंदगी साफ हो। निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के निर्देश पर निगम क्षेत्र में जगह-जगह सड़क किनारे, गली मोहल्ले में डम्प किये गये मलवा को निगम द्वारा हटाने का कार्य किया जा रहा है। भवन मालिको द्वारा अपने निर्माणधीन भवन अथवा पुराने भवन को तोड़कर उससे निकलने वाले मलवा को सड़क किनारे अथवा गली मोहल्ले में ढेर लगाकर छोड़ देते है जिससे रात में वाहन चालक दुर्घटना के शिकार हो जाते है। उक्त ढेर शहर की साफ सफाई में भी बड़ा बाधक रहता है। जिसकी शिकायत के आधार पर तथा निगम अधिकारियो के भ्रमण के दौरान संज्ञान में आने पर उक्त मलवे के ढेर को निगम द्वारा जे.सी.बी. एवं हाईवा लगाकर जप्ती की कार्यवाही की जा रही है। निगम प्रशासन ने शहर के नागरिको से अपील करते हुए कहा है की अपने धर से निकलने वाले मलवे को सड़क किनारे एवं गली मोहल्ले में डम्प न करे, ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर सके(

डेमोग्राफी का चेंज होना भारत की एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है : उप मुख्यमंत्री शर्मा

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा ने देश व प्रदेश की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में आ रहे बदलाव पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि डेमोग्राफी का चेंज होना भारत की एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में उल्लिखित आँकड़ों के मद्देनजर श्री शर्मा ने कहा कि सामान्यत: जनसंख्या में ऐसी बढ़ोतरी नहीं होती, इसलिए इसमें कितनी संख्या में घुसपैठिए हैं, इस पर भी विचार किया जाना बहुत आवश्यक है। श्री शर्मा ने कहा कि इसको स्पष्ट करना होगा कि किन-किन क्षेत्रों में ऐसा हो रहा है?

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि डेमोग्राफी का चेंज होना किसी भी स्थान के लिए बहुत बड़ा खतरा होता है। हिंदुओं की सहिष्णुता आदिकाल से पूरी दुनिया के सामने ही स्थापित है। हिंदू की सहिष्णुता के कारण ही यहाँ पर सारा अल्पसंख्यक समुदाय फल-फूल रहा है और हमें इसकी खुशी भी है, लेकिन हिंदुओं की संख्या कम हो जाए, यह भी चिंता का विषय है। हिंदुओं की संख्या कम होने से देश में अराजकता आएगी। श्री शर्मा ने कहा कि हिंदुओं की संख्या जिस अनुपात में 7.8 प्रतिशत घटी हुई बताई जा रही है तो यह विचारणीय है कि कितने करोड़ों में यह संख्या आएगी और जो जनसंख्या बढ़ी है, वह लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ी है। तो यह कितनी बड़ी बात है! इतनी जनसंख्या सामान्यतया नहीं बढ़ सकती। यह एक गंभीर प्रश्न है कि अगर इस अनुपात में आबादी बढ़ी है तो यह कैसे बढ़ी है? कितनी घुसपैठ हो गई है? इसको स्पष्ट करना होगा कि किन-किन क्षेत्रों में ऐसा हो रहा है? उसकी स्पष्टता पर जाना होगा और उसके बाद वहाँ पर सारा जनमानस तैयार होना चाहिए। इस विषय की गंभीरता को सभी को समझना होगा, अन्यथा भारत ऐसे ही विभाजन के दंश झेल चुका है। डेमोग्राफी का यह बदलाव भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। श्री शर्मा ने कहा कि कोई सामान्य प्रक्रिया में इतनी जनसंख्या इतनी जल्दी नहीं बढ़ सकती है। इसमें बहुत सारी चीजें हैं जो जिम्मेदार हैं। इसलिए यह कहना बेमानी है कि चुनाव के समय ऐसा क्यों बोला जा रहा है? इस विषय पर चुनाव के समय क्यों नहीं बोलना चाहिए? कोई भी विषय हो, चुनाव के समय बोलना है या नहीं बोलना है, ऐसा नहीं होता है। जो आवश्यक है, वह बोला जाए और इसमें कोई संशय नहीं है।

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, मौलश्री विहार, रायपुर (छ.ग.) फोन नं.-0771-2991574
Email Id: eocghbzone03@gmail.com

आम–सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा दीनदयाल आवास योजनांतर्गत **बोरियाकला,** रायपुर में निर्मित **एल.आई.जी. फ्लैट क्र.-553, ब्लॉक क्र.-35, द्वितीय तल श्रीमती मंजू कन्नौजे पति डॉ. अजय शंकर कन्नौजे** निवासी- टीचर्स कॉलोनी कोटा रायपुर, तह. व जिला- रायपुर (छ.ग.), के नाम पर इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्रमांक-**690** दिनांक **24.02.2010** के माध्यम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित है। आवासीय फ्लैट 30 वर्ष के लीज में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा आबंटित है, उक्त भवन को **फ्री-होल्ड** के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जिनका **फ्री-होल्ड** संपरिवर्तन किया जाना है।

अत: किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्द्धशासकीय संस्था निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/भवन का **फ्री-होल्ड किये जाने में** किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में स्वयं उपस्थित होकर लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर आपत्ति प्रस्तुत करें, अन्यथा नियत समयावधि पश्चात आपत्ति मान्य नहीं की जावेगी।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, मौल श्री विहार, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम–सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवा रायपुर, अटल नगर रायपुर सेक्टर-27 में प्रकोष्ठ **भवन क्रमांक-एफ1ए, ब्लॉक-18/106, श्रीमती दिलशाद अली पति श्री सैयद सादिक अली,** पता- नुरानी चौक, राजातालाब रायपुर, तहसील व जिला- रायपुर (छ.ग.) को नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त प्रकोष्ठ भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक **24.12.2012** को रजिस्ट्री पश्चात् आधिपत्य की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। **श्रीमती दिलशाद अली** की मृत्यु दिनांक **13.06.2022** को हो गयी है। **श्री सैयद सादिक अली पिता स्व. श्री सैयद माजिद अली,** द्वारा अपनी पन्ति की मृत्यु होने के उपरांत उक्त प्रकोष्ठ भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकोष्ठ भवन को **श्री सैयद सादिक अली पिता स्व. श्री सैयद माजिद अली,** के नाम नामान्तरण करने पर किसी भी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर
जिला- रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राज. परि., नवा रायपुर प्रथम एवं पंचम तल व्यवसायिक परिसर (दक्षिण पूर्व कार्नर) सेक्टर-27 नवा रायपुर, अटल नगर
फोन नं.-0771-4016094
E-mail id:- em_zone2@yahoo.com

// आम–सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि इस कार्यालय के पत्र क्रमांक-**10032** दिनांक **24.11.2009** के द्वारा नवा रायपुर अटल नगर सेक्टर-27 में **प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एफ3सी, ब्लॉक-23/304, को श्रीमति सुधा त्रिपाठी पति श्री राजेश्वर कुमार त्रिपाठी,** के नाम स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक **26.04.2013** को लीजडीड (पट्टा विलेख) का निष्पादन करा लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। वर्तमान में **श्रीमति सुधा त्रिपाठी पति श्री राजेश्वर कुमार त्रिपाठी,** निवासी- एच.न.ई. 30, सुधा सदन, बिहाइंड कृष्णा टॉकिज, समता कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को **क्रेता श्रीमति तारिणी चन्द्राकर पति श्री दीपक कुमार चन्द्राकर,** निवासी- वैष्णव पारा, मकान नं. 20, रसनी, रायपुर (छ.ग.) को विक्रय करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र **(एन.ओ.सी.)** प्रदाय करने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अत: नवा रायपुर अअल नगर सेक्टर-27 में स्थित **प्रकोष्ठ भवन क्रमांक-एफ3सी, ब्लॉक-23/304, के विक्रय के संबंध में** किसी व्यक्ति, शासकीय/अर्धशासकीय संस्था, को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र राजधानी परियोजना
नवा रायपुर, अटल नगर
जिला- रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11259/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11259
वार्ड का नाम- 25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **25** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00678** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **BASHODA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **भोलाराम साहू, मिथिला बाई, भूपत कुमार साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मनीराम साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ ..../ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11282/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11282
वार्ड का नाम- 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **37** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00294** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GAYATRI DEVI W/O JAINARAYAN AGRAWAL, MEERA DEVI W/O ASHOK KUMAR, MAMTA W/O AJAY KUMAR, USHA DEVI W/O VIJAY KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती .... के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. गोपाल दास धामेजा पिता स्व. गजनमल, 2. सुमित धामेजा, 3. राहुल धामेजा, 4. रवि धामेजा** पिता/पति, श्री/श्रीमती **गोपाल दास धामेजा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11227/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11227
वार्ड का नाम- 37 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **37** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR738E0135A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **CHOTU LAL NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. DHANESH RAM NISHAD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **किरण निषाद** पिता/पति, श्री/श्रीमती **छोटू लाल निषाद** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11151/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11151
वार्ड का नाम- 39 - स्वामी आत्मानंद वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **39** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR715E00328** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **NARHARI AMBEKAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NARAYAN AMBEKAR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **संदीप आंबेकर** पिता/पति, श्री/श्रीमती **स्व. नरहरी आंबेकर** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 76 दिनांक 10.05.2024
वार्ड का नाम- गुरु घासीदास वार्ड
वार्ड क्र. 1 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **1** मांग **पंजी क्र. 136 युआईडी 10139** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **भागवत राम साहू / गनीराम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **रूपा बाई साहू / श्रवण कुमार साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-06-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 75 दिनांक 10.05.2024
वार्ड का नाम- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड
वार्ड क्र. 7 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **7** मांग **पंजी क्र. 50 युआईडी 12704** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **कुंदीया बाई साहू / भारत राम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **1. होरी लाल रावत / रतिराम राव 2. रेखा बाई / होरी लाल रावत** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-06-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 74 दिनांक 10.05.2024
वार्ड का नाम- जवाहर लाल नेहरू वार्ड
वार्ड क्र. 36 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **36** मांग **पंजी क्र. 251 युआईडी 29699** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **सुरेश मंडल / रितु मंडल** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **बिंदु देवी / सुरेश मंडल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-06-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-

नामांतरण प्रकरण क्र. 73 दिनांक 10.05.2024
वार्ड का नाम- गुरु घासीदास वार्ड
वार्ड क्र. 1 वर्ष- 2024-25

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **1** मांग **पंजी क्र. 725 युआईडी 10731** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मोहम्मद शफीक अहमद / अब्दुल रफीक** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **अभिषेक अग्रवाल / ओमप्रकाश अग्रवाल** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 30 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **09-06-2024** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11140/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11140
वार्ड का नाम- 4 - यतियतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **4** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104B00326** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **G. APARNA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **G. JAGANNATH** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **G. GOVIND RAO URF G. GOVINDA REDDY** पिता/पति, श्री/श्रीमती **G. APPANNA REDDY** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **PANJIKRIT BATWARANAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11081/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 03-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11081
वार्ड का नाम- 17 - ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **17** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR109F0448A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **DUJRAM GIRI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **PADRI PRASAD PRASAD GIRI** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **FAIYAZ JULKAR MAIN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MOHAMMAD IBRAHIM** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **MALMA VIKRAYA IKABABNAMA**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./11058/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2024
रायपुर, दिनांक 02-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11058
वार्ड का नाम- 18 - बालगंगाधर तिलक वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **18** स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR110A00077** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MEGHRAJ SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **KARTIK RAM SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अतिश मेश्राम** पिता/पति, श्री/श्रीमती **राजकमल मेश्राम** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11173/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11173
वार्ड का नाम- 22 - पं. ईश्वरीचरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **22** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR814J0002D** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRADEEP DEEWAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LATE. SHYAMDHAR DEEWAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **श्रेया देवांगन** पिता/पति, श्री/श्रीमती **मनोज कुमार देवांगन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11012/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11012
वार्ड का नाम- 23 - शहीद मनमोहन सिंह बक्षी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **23** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR812A00169** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SHTISH CHANDRA GUPTA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ANANDI PRASAD GUPTA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **अमित कुमार मंगलानी** पिता/पति, श्री/श्रीमती **सेवक राम मंगलानी** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11149/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11149
वार्ड का नाम- 24 - सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **24** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818C00516** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **UTTARA BAI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DUSHYANT SAHU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **सीमा साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **धनेश साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11171/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11171
वार्ड का नाम- 24 - सरदार वल्लभ भाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **24** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818E0595C** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **KHUSBU KHAN** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MO. AZAM KHAN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **राजकुमार नथुलाल अग्रवाल** पिता/पति, श्री/श्रीमती **नथुलाल अग्रवाल** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./11178/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2024
रायपुर, दिनांक 10-05-2024

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 11178
वार्ड का नाम- 25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड **25** स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR819B00220** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **GHANARAM** पिता/पति, श्री/श्रीमती **CHAMAR RAM** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **हेमवती साहू** पिता/पति, श्री/श्रीमती **गरीबा साहू** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री जसदेव सिंह बाबरा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

220 रेडक्रॉस वालिंटियर को प्रशस्ति पत्र और किट बैग देकर किया गया सम्मानित

रेडक्रास वालिंटियर शैक्षणिक भ्रमण के लिए करेंगे जगन्नाथपुरी की सैर

बालोद (विश्व परिवार)। विश्व रेडक्रास दिवस का आयोजन बालोद बस स्टैंड के ऊपर ऑडिटोरियम हॉल में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कलेक्टर एवं इंडियन रेडक्रास सोसायटी बालोद के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, अध्यक्षता सीएमएचओ डॉ. एमके सूर्यवंशी, विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत सीईओ डॉ. संजय कन्नौजे, एसडीएम शीतल बंसल, जूनियर रेड क्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष व जिला शिक्षा अधिकारी पीसी मरकले, सीईओ जनपद पंचायत डौंडी डीडी मंडले, एडिशनल एसपी अशोक जोशी एवं आजीवन सदस्य कमला वर्मा उपस्थित रही। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती, छत्तीसगढ़ महतारी व हेनरी ड्यूनांट के तैल चित्र में दीपक जलाकर व

माल्यार्पण कर की गई। मुख्य अतिथि इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने अपने उद्बोधन में सबसे पहले विश्व रेडक्रास की बधाई देते हुए स्वास्थ्य, सेवा, एवं मित्रता को सार्थक बताते हुए कोरोना काल में सेवा, निक्षय मित्र बनकर क्षय मरीजों को पोषण आहार देना, स्वच्छता अभियान, यातायात सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर सामाजिक संदेश देना रेडक्रास के उद्देश्य की पूर्ति करता है, रेडक्रास द्वारा किए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन रेडक्रास के प्रत्येक कार्य में सहयोग प्रदान करेगा।

अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मान : वही कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल ने देहदान करने वाली सेवानिवृत्ति व्याख्याता कमला वर्मा को इस तरह के पुण्य कार्य हेतु साधुवाद व रेडक्रास की तरफ से आभार व्यक्त किया एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। वही कलेक्टर द्वारा बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण हेतु पूछा गया तो बच्चों ने जगन्नाथपुरी जाने की बात कही।

220 बच्चों को प्रशस्ति पत्र और किट बैग देकर किया गया सम्मानित

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित सीईओ जिला पंचायत संजय कन्नौजे ने अपने उद्बोधन में कहा कि मतदान दिवस और मतदाता जागरूकता में सहयोग देने के लिए धन्यवाद एवं हमेशा इस तरह के प्रशासनिक कार्य में सहयोग देने की अपील की। अध्यक्षता भाषण डॉ. एमके चंद्रवंशी ने रेड क्रॉस के सात सिद्धांतों मानवता, एकता, स्वैच्छिक सेवा, पर प्रकाश डालते हुए हम सभी को सबसे पहले अपने अंदर मानवता रखने की बात कही। वही जिला संगठक चन्द्रशेखर पवार ने रेडक्रास के संबंध में जानकारी एवं वर्ष भर की गतिविधियो से अवगत कराया गया। इस दौरान जिला अस्पताल बालोद में भर्ती सभी मरीजों को फल व बिस्कुट का वितरण किया गया।

इस कार्य में सीएमएचओ, सिविल सर्जन आरके श्रीमाली, सपन जेना, शशि कला देशमुख, रोहित देशमुख, सौरभ शर्मा, व अन्य सदस्यों के द्वारा प्रदान किया गया। उक्त कार्यक्रम में मतदाता मित्र सम्मान समारोह के तहत विधानसभा 2023 व लोकसभा 2024 में बेहतर कार्य करने वाले रेडक्रॉस वालिंटियर जिन्होंने जागरूकता अभियान व मतदान दिवस के दिन सेवा का कार्य किया, ऐसे सभी 220 बच्चों को प्रशस्ति पत्र एवं किट बैग देकर सम्मान किया गया। संजय बंजारे व टीके साहू के नेतृत्व में बच्चों ने रैली निकाल कर जल बचाने व नशा से दूर रहने का संदेश दिया।

चुनाव के दौरान विस्फोट करने दबा रखा था बारूद, नक्सली डंप बरामद

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के दौरान गड़चिरोली पुलिस ने टीपागढ़ जंगल में दबाकर रखा गया नक्सली डंप बरामद करने में सफलता हासिल की है। यहां से कूकर सहित अन्य विस्फोटक सामग्री भी बरामद की गई, जिसे नष्ट कर दिया गया है। गढ़चिरोली पुलिस अधीक्षक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार लोकसभा चुनाव के दौरान आईईडी ब्लॉस्ट करने के उद्देश्य से नक्सलियों ने टीपागढ़ के जंगल में विस्फोटक सामग्री डंप कर रखी थी। मुखबीर से मिली सूचना पर सीआरपीएफ की एक क्यूएटी टीम तथा सी-60 पुलिस की एक टीम का गठन किया गया। पुलिस व सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम ने टीपागढ़ जंगल पहाड़ी क्षेत्र में सर्चिंग अभियान चलाया जहां से नक्सली डंप बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार नक्सली डंप से विस्फोटकों और डेटोनेटर से भरे हुए 6 प्रेशर कुकर, विस्फोटकों और जंग लगे लोहे के टुकड़ों से भरे 3 क्लेमोर पाईप भी बरामद किये गये। शेष 3 क्लेमोर पाईपो में विस्फोट नहीं हुआ। डंप से कुल 9 आईईडी, और 3 क्लेमोर पाईप को बीडीडीएस की टीम ने नष्ट कर दिया। साथ ही मौके पर मौजूद अन्य नक्सली सामान को भी जलाकर नष्ट कर दिया गया।

समर कैंप में सड़क सुरक्षा जागरूकता संबंधित कार्यशाला आयोजित

धमतरी (विश्व परिवार)। कृति फाईन आर्ट्स इंस्टीट्यूट एवं ऑल इंडिया लीनेस क्लब द्वारा आयोजित समर कैंप में बच्चो के लिए ड्राइंग पेंटिंग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में यातायात पुलिस डीएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बच्चो को प्रोत्साहित करने के साथ ही पालकों को यातायात नियमों के बारे में जानकारी देते हुए नियमो का पालन करने कहा (विशिष्ट अतिथि डॉ रचना पदमवार मनोरोग चिकित्सक ने बच्चो के मनोबल को बढ़ाया, डॉ श्रुति वासानी डेंटल सर्जन ने दांतो को स्वच्छ और मजबूत बनाए रखने के टिप्स दिए , डॉ मंजू गुप्ता फिजियोथैरेपिस्ट ने फिजिकल फिट रहने की जानकारी बच्चो को दीए संचालिका एवम् आयोजक जानकी गुप्ता ने कहा की माता पिता को जागरूक करने का एक माध्यम बच्चे भी है हमारा उद्देश्य सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को ट्रैफिक सिग्नल की जानकारी के साथ ही पालकों को हेलमेट पहनने एवम् सड़क सुरक्षा के नियमो के पालन के लिए प्रेरित करना भी है अतिथियों को ट्रैफिक पुलिस यातायात मणिशंकर चंद्रा द्वारा स्मृति चिन्ह एवम् बच्चों को पेंटिंग की सामग्री प्रदान की गई।

स्व. राजा वीरेन्द्र बहादुर सिंह शासकीय महाविद्यालय में मनाया गया विश्व रेडक्रॉस दिवस

सरायपाली (विश्व परिवार)। शासकीय महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस प्रभारी एवं इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल के मार्गदर्शन एवं प्राचार्य पी.के. भोई के निर्देशन में विश्व रेडक्रॉस दिवस (08 मई) का आयोजन किया गया. उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यू.के. बरिहा विभागाध्यक्ष राजनीति विज्ञान, विशिष्ट अतिथि डॉ. चन्द्रिका चौधरी सहायक प्राध्यापक हिंदी रहे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रभारी यूथ रेडक्रॉस डॉ. आर.एस. पटेल ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को सर्वप्रथम विशिष्ट अतिथि डॉ. चन्द्रिका चौधरी ने रेडक्रॉस के उद्देश्य, मानवता, निष्पक्षता, तटष्ठता, स्वतंत्रता, स्वैछिक सेवा, एकता एवं सार्वभौमिकता के बारे में बताते हुए आंग्ल-सिख युद्ध में सिख सैनिकों द्वारा किये गए मानवता के परिचय के बारे में विस्तार से बताया. उसके पश्चात् कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. आर.एस. पटेल ने रेडक्रॉस सोसाइटी के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की तथा विश्व रेडक्रॉस दिवस की शुभकामनाएं देते हुए विश्वास दिलाया की आगामी शिक्षा सत्र में भी यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी के तत्वावधान में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी कराया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि यू.के. बरिहा ने जीन हेनरी ड्यूनेंट संथापक रेडक्रॉस सोसाइटी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके उद्देश्य एवं किये गए कार्यों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की एवं महाविद्यालय में यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। . अंत में आभार प्रदर्शन अंकित यदु सहायक प्राध्यापक कम्प्यूटर साइंस ने किया. इस अवसर पर सहायक प्राध्यापकगण खिरोद डडसेना, सुसुष्मिता भोई महाविद्यालय के कर्मचारीगण मेनका नायक, तारा बाई, दुर्गा चौहान, दुर्गाशंकर यादव, नीरज सागर एवं छात्र-छात्राएं सेत कुमार कोसरिया, राहुल ,तोषवंत मेहेर सहित बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मारुति सुज़ुकी ने नए जेड-सीरीज इंजन के साथ लॉन्च की एकदम नई स्विफ्ट

रायपुर। हैचबैक सेगमेंट को फिर से परिभाषित करते हुए, भारत की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने गर्व के साथ एकदम नई स्विफ्ट को पेश किया है। युवा और उत्साही लोगों के लिए तैयार की गई, एकदम नई स्विफ्ट नए बेंचमार्क बनाने और अपने पूर्ववर्तियों की तरह अपनी प्रशंसीय विरासत को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर बोलते हुए, श्री हिसाशी ताकेउची, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड, ने कहा, 2005 में लॉन्च होने के बाद से, स्विफ्ट ब्रांड भारतीय ऑटोमोटिव मार्केट में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है। इसने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में अग्रणी है और लाखों ग्राहकों के दिलों पर कब्जा जमाने में सफल रही है। एकदम नई स्विफ्ट के लिए हमारा दृष्टिकोण स्विफ्ट प्रेमियों और ड्राइविंग पसंद लोगों के लिए जॉय ऑफमोबिलिटी को फिर से परिभाषित करते हुए अपनी मजबूत विरासत को आगे बढ़ाना है। नया जेड-सीरीज इंजन एक फ्यूचरिस्टिक पावरट्रेन है, जो परफॉर्मेंस और सस्टैनेबिलिटी के एक नए आयाम के साथ आता है, जो इसे अपने सेगमेंट में सबसे कुशल हैचबैक बनाता है। हम अपने ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने और उससे अधिक प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं और बेहतर प्रदर्शन प्रदान करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजी को पेश करते हुए भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में बदलाव को आगे बढ़ाना निरंतर जारी रखेंगे। नई स्विफ्ट के लॉन्च पर बोलते हुए, श्री पार्थो बनर्जी, सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, मार्केटिंग एंड सेल्स, मारुति सुज़ुकी इंडिया लिमिटेड, ने कहा, भारत में 29 लाख ग्राहकों के साथ, स्विफ्ट ब्रांड ग्राहकों के दिलों में एक खास जगह रखता है। इस प्रीमियम हैचबैक की हर पीढ़ी अपने समय से आगे रही है, ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाओं का पता लगाकर उन्हें पूरा करती है। एकदम नई स्विफ्ट की पेशकश के साथ, हम अपनी समृद्ध विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं और नए बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं।

कबाड़ दुकान में आरपीएफ की रेड

फिश प्लेट पेन्ड्रोल क्लिप जब्त, एक गिरफ्तार

रायगढ़ (विश्व परिवार)। रेल सुरक्षा बल पोस्ट रायगढ़ की विशेष टीम ने गुप्त सूचना पर एक कबाड़ दुकान में छापा मारकर दुकान की चेकिंग के दौरान एक बोरे में रेलवे का फिश प्लेट तथा पेन्ड्रोल क्लिप जब्त करने में कामयाबी हासिल की है। दुकान संचालक के विरुद्ध रेल अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। रेल सुरक्षा बल पोस्ट रायगढ़ प्रभारी निरीक्षक कुलदीप कुमार ने मीडिया को बताया कि बीते 6 अप्रैल को रायगढ़ पोस्ट की विशेष टीम के उप निरीक्षक अखिल सिंह ने मातहत बल सदस्यों के साथ रेल सम्पत्ति के अवैध रिसीवरों के विरूद्ध अभियान चलाया। इस दौरान रायगढ़-खरसिया मार्ग के ग्राम मौहापाली में स्थित कबाड़ दुकान में पहुँचकर कबाड़ दुकान में उपस्थित कबाड़ संचालक से नाम व पता पूछने पर उसने अपना नाम धनसिंह पिता हीरालाल (उम्र-69 वर्ष) बताया जो मूलतः सक्ती जिले के मालखरौदा थानांतर्गत ग्राम छतौना निवासी है। वर्दीधारियों ने कबाड़ दुकान को चेक हेतु कबाड़ संचालक को लिखित नोटिस दिया। तदुपरांत उसकी सहमति से संचालित कबाड़ दुकान को चेक किया गया। चेकिंग के दौरान दुकान में रखे हुए एक प्लास्टिक की बोरी को खोला गया तो उसके अन्दर रेलवे में उपयोग होने वाले 02 नग जुगल फिश प्लेट तथा 25 नग पेन्ड्रोल क्लिप पाया गया। जब्त सम्पत्ति की अनुमानित कीमत-2125 रूपये है। मौके की कार्यवाही के उपरांत आरोपी मय जप्त सम्पति रेसुब पोस्ट रायगढ़ लाया गया। आरपीएफ पोस्ट रायगढ़ में आरोपी के विरूद्ध धारा-3(ए) आर.पी. (यू.पी.)एक्ट का मामला पंजीबद्ध किया गया। गिरफ्तार आरोपी को 7 मई को विशेष रेलवे न्यायालय बिलासपुर के समक्ष पेश किया जायेगा।

72 घंटे चलने वाले श्री अखंड हरी नाम संकीर्तन का शुभारंभ 11 मई से

मनेन्द्रगढ़। वर्ष 1970 से संचालित अखंड श्री श्री हरिनाम संकीर्तन का आयोजन अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त में इस वर्ष भी रेल्वे कालोनी मनेन्द्रगढ़ में 11मई 2024 शनिवार प्रातः 06:30 बजे से आरम्भ होगा। विश्व कल्याण की मंगल कामना को लेकर अखंड श्री श्री हरिनाम संकीर्तन समिति के सदस्यों द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही है। अखंड श्री श्री हरिनाम संकीर्तन की 55 वीं वर्षगांठ के अवसर पर रेल्वे कालोनी मनेन्द्रगढ़ में उत्साह पूर्वक मनाई जायेगी। नियत कार्यक्रम के अनुसार 10 मई शुक्रवार को रात्रि 09:00बजे वैदिक परम्परा के अनुसार अधिवास पूजन होगा. आयोजन के अगले दिन 11 मई शनिवार को प्रातः 06:30बजे से 72 घंटे का अखंड हरिनाम संकीर्तन हरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरे का संकीर्तन का शुभारम्भ होगा। यह संकीर्तन लगातार 72 घंटे तक अखंड रूप से चलेगा। इसके उपरांत 14 मई 2024 मंगलवार को प्रातः 06:30 बजे समापन होगा। इसी दिन रात्रि 08:30 बजे महोत्सव एवं भंडारा का आयोजन किया जायेगा। इस अखंड हरि नाम संकीर्तन मंडली तथा परिचालन समिति में श्री श्री मामा भांजा नित्यानंद संप्रदाय कोलकाता, श्री श्री सन्यासी मंडल भद्राचार्य संप्रदाय आरागाही, श्री श्री गौरिया संप्रदाय तातापानी, श्री श्री वासुदेव संप्रदाय पन्ना सतना एवं श्री श्री निताई गौर संप्रदाय बलरामपुर के भक्त विशेष रूप से शामिल होते हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्र के समस्त धर्म अनुरागी जनों से श्री अखंड हरी नाम संकीर्तन में सपरिवार शामिल होकर धर्म लाभ उठाने का आग्रह किया है।

विधि विधान से प्रारंभ हुई महाप्रभु जगन्नाथ मंदिर स्थापना एवं विग्रह प्राण प्रतिष्ठा

किरंदुल (विश्व परिवार)। ओडिशा प्रान्त से आएं लोगों ने अप्रैल 2007 में श्री राघव मंदिर के अंदर छोटे रूप में श्री जगन्नाथ जी की प्राण प्रतिष्ठा की। आषाढ़ मास शुक्ल पक्ष द्वितीय के दिन पहेली बार लौह नगरी में जगन्नाथ जी का रथ यात्रा बैलाडीला उत्कल समाज के द्वारा बड़े ही धूमधाम से निकली गई।जिसमें पूरे जिले से लोग शामिल हुए।बैलाडीला श्री जगन्नाथ सेवा समिति उत्कल समाज ने 8 वर्ष पूर्व जगन्नाथ पुरी मंदिर की तर्ज पर भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया। एनएमडीसी परियोजना के सहयोग से कोरोना काल के बाद जगन्नाथ मंदिर पुरी के डिजाइन का मंदिर निर्माण श्री राघव मंदिर परिसर से लगे पहाड़ी के नीचे शुरू किया गया एवं आज बनकर तैयार है। इस मंदिर को बनाने ओडिशा के पूरी से राज्यमिस्त्री, शिल्पकार को बुलाया गया।बस्तर संभाग में ये पहला विशाल श्री जगन्नाथ जी का भव्य मंदिर बन कर तैयार हुआ है।मंदिर की सुंदरता देख ऐसा लग रहा है कि कोई आलौकिक शक्ति ने खुद इस मंदिर का निर्माण करवाया हो।पुरी से पहुंचें पंडाओं द्वारा मंदिर की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा प्रतिष्ठा की जा रहीं हैं। बुधवार को 8 मई को सुबह 108 कलश यात्रा निकली जिसमें बंगाली कैम्प तालाब से जल भरकर मातृशक्तियाँ, श्रद्धालुगण भजन कीर्तन कर नाचते गाते पुनः जगन्नाथ मंदिर पहुंचे।

वंडरला भुवनेश्वर ने की खास लॉन्च ऑफर की घोषणा, टिकट सिर्फ 649 रुपये से शुरू

रायपुर। वंडरला हॉलिडेज़, जो कि भारत की सबसे बड़ी मनोरंजन पार्क चेन है, ने भुवनेश्वर के कुम्भारबास्ता में 24 मई को खुलने वाले अपने मनोरंजन पार्क के विशेष लॉन्च ऑफर की घोषणा की है। वंडरला हॉलिडेज़ फिलहाल कोच्चि, बेंगलुरु, हैदराबाद में तीन मनोरंजन पार्क और बेंगलुरु में एक रिसॉर्ट चलाता है, और अब भुवनेश्वर में आ रहा है। भुवनेश्वर में इस पार्क के लॉन्च के जश्न के तौर पर अर्ली बर्ड ऑफर चलेगा, जिसमें ऑनलाइन बुकिंग पर पार्क टिकटों पर 25त्न की छूट मिलेगी। वंडरला हॉलिडेज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अरुण के चिट्टिलपिल्ली ने कहा, हम ओडिशा में वंडरला के शानदार मनोरंजन का अनुभव लाने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारे आगंतुकों के लिए मौज-मस्ती और रोमांच के अनुभव का एक नया दौर होगा। ओडिशा में आने के साथ, हम अपने आगंतुकों को शानदार अनुभव देना जारी रखने, यादगार पल और संजोने लायक यादें बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बेजोड़ अनुभव प्रदान करने के लिए हम न सिर्फ वर्तमान में खुशियाँ देना चाहते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक यादगार विरासत छोड़ना चाहते हैं। वंडरला ओडिशा में हाई-स्पीड रोलर कोस्टर से लेकर वाटर राइड्स और परिवार के लिए उपयुक्त आकर्षणों तक, हर किसी के लिए मनोरंजन का साधन होगा। इसके कई राइड्स खास बनाए गए हैं और विदेशी कंपनियों से आयातित किए गए हैं, जो इन्हें भारत में अद्वितीय बनाता है। वंडरला भारत और एशिया के शीर्ष मनोरंजन पार्कों में से एक है।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, रायपुर

बिजली बंद की सूचना

समस्त सम्मानीय उच्चदाब एवं निम्नबाद उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि तिल्दा उपसंभाग के अंतर्गत आने वाले निम्नलिखित 33 के.व्ही. लाईन में मानसून पूर्व अतिआवश्यक सुधार कार्य किये जायेंगे इस हेतु सुबह 10.00 से शाम 05.00 बजे तक विद्युत प्रवाह बंद रहेगा, जिसके कारण उपकेन्द्र से निकलने वाले समस्त फीडर एवं दर्शित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति अवरुद्ध रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	दिन	प्रभावित क्षेत्र
1	13.05.2024	33 के.व्ही. तिल्दा तुलसी फीडर	सोमवार	
2	14.05.2024	33 के.व्ही. बरतोरी फीडर	मंगल	
3	15.05.2024	33 के.व्ही. बिलाडी फीडर	बुधवार	
4	11.05.2024	33 के.व्ही. एच.टी. फीडर	शनिवार	एच.टी. कनेक्टेड समस्त उपभोक्ता तिल्दा
5	18.05.2024	33 के.व्ही. जी.एम.आर. फीडर	शनिवार	
6	17.05.2024	33 के.व्ही. जोता फीडर	शुक्रवार	33 के.व्ही. किशन मोल्डिंग
7	20.05.2024	33 के.व्ही. सिमगा फीडर	सोमवार	
8	21.05.2024	33 के.व्ही. ताराशिव फीडर	मंगलवार	
9	22.05.2024	33 के.व्ही. टोहड़ा फीडर	बुधवार	33/11 के.व्ही. टोहड़ा एवं कोटा सबस्टेशन नटराज ईन्ड. मनीष फुडन्न पेशिव ईफा, विद्याश्री, जबलपुर हेजरी
10	25.05.2024	33 के.व्ही. बी.पी.सी.एल. फीडर	शनिवार	33. के.व्ही. अस्टधातु, अजनी वायर, बी.पी.सी.एल. फीडर
11	27.05.2024	33 के.व्ही. वेक्ट पोल्ट्री फीडर	सोमवार	33. के.व्ही. वेक्ट पोल्ट्री, रायपुर रिफ्राथर्म, अरिहंत ट्रेडर्स सेन्ट्रल सीमेंट
12	15.05.2024	33 के.व्ही. सिलायरी फीडर	बुधवार	33/11 के.व्ही. सब स्टेशन सिलायरी एवं मगसा
13	23.05.2024	33 के.व्ही. के.जे. फीडर	गुरुवार	33 के.व्ही. वक्रांजी स्टील
14	29.05.2024	33 के.व्ही. हाई.टेक पावर फीडर	बुधवार	33 के.व्ही. हाईटेक पॉवर
15	23.05.2024	33 के.व्ही. इंडिया ऑयल	गुरुवार	उच्चदाब उपभोक्ता रायता।

''विद्युत संबंधित शिकायतें केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के फोन नं. 1912 पर दर्ज कराएं।''

असुविधा के लिए खेद है

''विद्युत चोरी एक दण्डनीय अपराध है कृपया इससे बचे''

''स्वहित एवं राष्ट्र हित में उर्जा बचाइए''

(शशांक श्रीवास्तव)
कर्म. संख्या 4401196
कार्यपालन यंत्री (संचा./संधा.) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.क.लि. रायपुर

संपादकीय

सियासी खुदकुशी होगी

आरक्षण एक बार फिर चुनाव मैदान में है। अंतर केवल इतना है कि अबकी इसे लालू प्रसाद ने नहीं, कांग्रेस ने लाया है। इसके नेता राहुल गांधी अपनी चुनावी सभाओं में भाजपा और उसके नेता नरेन्द्र मोदी को आरक्षण मिटाने वाला गैंग कह रहे हैं। इससे भाजपा आत्मरक्षात्मक मुद्रा में आ गई है। उसे 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव में मिली चोट ताजा हो गई है। तब आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव-बीच आरक्षण की समीक्षा की बात कर चौंका दिया था। यद्यपि संविधान में इसका जिक्र है कि 15 साल बाद इसकी समीक्षा की जाएगी और उस आधार पर हटाया भी जा सकता है, लेकिन संसद सर्वसम्मत से इसे आगे बढ़ाती रही है। यह मान लिया गया है कि भारतीय समाज इस उन्नत दशा में नहीं पहुंचा है कि आरक्षण की समीक्षा की जाए। इसे ध्यान में रखकर ही भागवत के बयान पर सफाई दी गई और दिलाई भी गई। पर राजद नेता लालू प्रसाद ने बड़ी कुशलता से मतदाताओं का रुख बदल दिया था। भाजपा बिहार में कमांडर होते-होते रह गई थी। इस बार भी कांग्रेस के प्रचार से ऐसे परिणाम के आसार नजर आ रहे हैं। जब 2024 के चुनाव में, नरेन्द्र मोदी की भाजपा ने 'अबकी बार 400 पार' का नारा दिया तो विपक्ष ने, इतनी सीटों को संविधान बदलने, लोकतंत्र नष्ट करने के उसकी 'हवस' से जोड़ दिया। इसमें भाजपा के कुछेक अदूरदर्शी नेताओं के बयान-भाषणों ने भी कांग्रेस का साथ दिया। आरक्षण पर आरएसएस का शुरू से ही एक रिजर्वेशन रहा है। इसलिए जब भी ऐसी चर्चा होती है, संघ के स्थापना काल का नजरिया सामने आ जाता है। भागवत इससे इनकार करते हैं। यह सच है कि मोदी का मौजूदा मंत्रिमंडल आरक्षण के व्यवहारत- निर्वाह का सुंदर प्रमाण है। यह स्वतंत्र भारत का ऐसा पहला मंत्रिमंडल है। खुद मोदी ओबीसी हैं। फिर भारतीय राजनीतिक चेतना के मौजूदा स्तर को देखते हुए संविधान, चुनाव या लोकतंत्र तथा आरक्षण को खारिज करने की किसी दल की हिमाकत, उसकी सियासी खुदकुशी होगी। इसके लिए कौन दल तैयार होगा? आरक्षण, संविधान और लोकतंत्र सब रहेगा। यह बिल्कुल प्रचार के लिए प्रचार की बात है। इसमें वह कांग्रेस अपरहैंड है।

विकास बनाम न्याय का सियासी विमर्श

बद्री नारायण

किसी भी जनतंत्र में चुनाव मात्र जीत-हार, सरकार बनाने-गिराने का माध्यम नहीं होते हैं, ये वस्तुत: राजनीतिक चेतना को प्रेरित करने का माध्यम होते हैं। चुनाव समाज में संवाद, विकास एवं राष्ट्र निर्माण के विमर्शों को प्रेरित करने का माध्यम होते हैं। चुनाव के दिनों में ये बहसें मूलत: राजनीतिक दलों द्वारा जारी किए गए घोषणापत्रों, रैलियों में नेताओं के दिए गए भाषणों और बयानों से बनती-बिगड़ती हैं। वैसे तो मेरा मानना है कि यह चुनाव 'छवियों के टकराव' का चुनाव है, जिसमें इस चुनाव के दौरान नेताओं द्वारा कही गई बातों से ज्यादा एक लंबे काल खंड में बनी-बिगड़ी उनकी छवियों का असर है। इस चुनाव में कथनी से ज्यादा 'करनी' की स्मृतियों एवं प्रभाव में जनता वोट डाल रही है। चुनाव में कुछ बहसें दीर्घकालिक परिवर्तन की दृष्टि से होती हैं, तो कुछ बहसें तात्कालिक लोकप्रिय प्रकृति की होती हैं। इस चुनाव में ऐसी कौन-सी बहसें हैं, जो तात्कालिक राजनीतिक लाभ या लोकप्रियता पाने की रणनीति से प्रेरित हैं। इन तमाम मुद्दों पर विचार इस चुनाव के संदर्भ में ही नहीं, वरन पूरे लोकतंत्र के विस्तार एवं उसे गहरा बनाने के लिए भी जरूरी है। इस चुनाव में दो प्रकार की बहसें हो रही हैं। एक तरफ भाजपा देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को विमर्श का विषय बना रही है। वह भारतीय समाज में राज्य द्वारा संसाधनों के वितरण के लिए गरीब, युवा, नारी एवं किसान, चार आर्थिक वर्गों को केंद्र में रखकर योजनाओं को प्रचारित कर रही है। दूसरी तरफ कांग्रेस अपने घोषणापत्र में अन्य वादों के साथ समाज कल्याण कार्यक्रमों को आरक्षण आधारित जाति केंद्रित सामाजिक न्याय की अवधारणा के साथ मिलाकर लोकप्रिय वादे के रूप में प्रचारित कर रही है। इसके लिए वह पूरे देश में जातीय जनगणना कराने को भी एक लोकप्रियतावादी नारे के रूप में अपने चुनावी विमर्श में इस्तेमाल कर रही है। अगर इस चुनाव की

बहसों के निर्माण की प्रक्रिया को देखें, तो साफलगता है कि भाजपा इस चुनाव को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि, सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों पर केंद्रित एवं विकसित भारत की संकल्पना के ईद-गिर्द रखना चाहती है। इस चुनाव में टिकट बंटवारे में परोक्ष जातीय जोड़-घटाव को छोड़ दें, तो उसने अपने घोषणापत्र एवं अपने नेताओं के भाषणों में जातीय अस्मिता की राजनीति से दूरी बनाने की कोशिश की है। वहीं कांग्रेस ने अपने चुनावी विमर्श में शुरू से ही भारतीय समाज में जाति आधारित सामाजिक अन्याय को मुद्दा बनाते हुए पारंपरिक ढंग के आरक्षण आधारित सामाजिक न्याय को लोकप्रिय बहस बनाने की कोशिश की है। इस बार अल्पसंख्यकों के संदर्भ में धार्मिक अस्मिता एवं सामाजिक न्याय के संदर्भ में जातीय अस्मिता कांग्रेस के घोषणापत्र के केंद्रीय तत्व बने हुए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन जातीय एवं धार्मिक अस्मिताओं को न्याय-अन्याय जैसी शब्दावली में बार-बार उठाया है। कांग्रेस ने भाजपा के शासन में आने पर 'संविधान बदल दिया जाएगा', 'चुनाव नहीं होंगे' आदि अनेक भय व चिंता जगाने वाले विमर्श खड़े कर दिए हैं। कांग्रेस के चुनावी विमर्श की इसी रणनीति ने भाजपा को अपने चुनावी विमर्श की रणनीति में परिवर्तन के लिए बाध्य किया। कांग्रेस के इन पारंपरिक राजनीतिक अस्त्रों का जबाब देने के लिए भाजपा ने अपने विकास, भारत गर्व एवं विकसित भारत के विमर्श के साथ ही कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का पारंपरिक अस्त्र चला दिया। इसी तुष्टिकरण के विमर्श में जाति के साथ ही धार्मिक अस्मिता का विमर्श भी सामने आने लगा। भाजपा ने सक्षमता से इसी तुष्टिकरण के विमर्श को सामाजिक न्याय के विमर्श से जोड़ दिया। यह प्रचार शुरू कर दिया कि कांग्रेस एक धर्म के लोगों को संतुष्ट करने के लिए पिछड़ों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति के गरीबों का हक छीनकर एक खास धार्मिक समुदाय में बांट देना चाहती है। साथ ही, उसने कांग्रेस द्वारा स्वर्ण एवं संपत्ति के सर्वे की मंशा को भारतीयर्ा्त्ररयों, विशेषकर मध्यवर्गीयर्ा्त्ररयों के 'मंगल सूत्र' पर खतरे के वृतांत में पीरो दिया। भारतीय चुनावों में वृतांतों या 'नैरेटिव्स' की राजनीति में प्रधानमंत्री मोदी का यह मास्टर स्ट्रोक माना जाना चाहिए, जिसमें उन्होंने मध्यवर्गीय मानस को तो झकझोरा ही, गरीबों, पिछड़ों एवं दलितों की अस्मिताओं को भी पारंपरिक जाति आधारित सामाजिक न्याय की राजनीति के खांचे से बाहर निकाल हिंदुत्व, सामाजिक न्याय एवं विकास की आकांक्षा का संतुलित मिश्रण तैयार किया। राजनीति में यह ऐसा मारक आक्रमण है, जिसका सामना कांग्रेस के विमर्शकार कैसे कर पाते हैं, यह देखना होगा। यह बार-बार देखने में आता है कि जाति कई बार सामाजिक न्याय के वितरण की एक इकाई के रूप में मददगार तो होती है, किंतु आगे चलकर अनेक प्रकार के सामाजिक अन्याय को जन्म भी देती है। कांगेस को यह समझना होगा कि जाति से जाति को काटना भारतीय समाज में अत्यंत मुश्किल है। हमने देखा है कि ऐसे अनेक प्रयोग अब तक विफल ही हुए हैं। आजादी के बाद सामाजिक न्याय की राजनीति के एक अनोखे प्रयोगकर्ता कांशीराम शुरुआती सफलताओं के बाद अंतत: कमजोर पड़ते देखे गए। समझना होगा कि भारतीय समाज में जाति की धार को आर्थिक विकास की प्रक्रियाओं से ही कुंद किया जा सकता है। अगर गहराई से विवेचना करें, तो भारतीय जनतांत्रिक राजनीति को एक नई भाषा की जरूरत है, एक आधुनिक भाव बोध की भी। इसे एक नई राजनीति भी चाहिए। विकास की राजनीति की भाषा को अन्य प्रकार की राजनीति केंद्रित भाषा की तुलना में ज्यादा अधुनातन, अग्रगामी एवं प्रगतिशील तो माना ही जाता है। जैसे ही इस भाषा को हम जाति एवं धर्म आधारित राजनीतिक भाषा की सीमा में जाने के लिए मजबूर करते हैं, वैसे ही हम तीन-चार दशक पीछे की राजनीतिक परिदृश्य में पहुंच जाते हैं। हिंदी के प्रसिद्ध उपन्यासकार फणिश्वर नाथ रेणु ने अपनी कहानी पंचलाइट (पंचलैट) में एक गांव में एक ऐसे जाति विभाजित समाज का वर्णन किया है, जहां हर जाति को अपना गोल बैठता है एवं उनकी अपनी 'पंचलाइट' (पेट्रोमैक्स) होने की चाह होती है। वह अगर आज जीवित होते, तो स्वयं भी चाहते कि भारतीय जनतंत्र के पास एक विकासमान एवं नए भारत की अंतर्दृष्टि एवं राजनीतिक भाषा हो, जो अन्य अनेक पारंपरिक अस्मिताओं पर केंद्रित राजनीतिक भाषा एवं विमर्शों का चोला उतार फेंके।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

विशेष लेख

भारत के लिए चुनौतीपूर्ण

हिन्द महासागर में शक्ति संतुलन बनाए रखने के लिए बीजिंग और नई दिल्ली, दोनों मालदीव को अपने प्रभाव क्षेत्र में रखने के लिए कृतसंकल्पित रहे हैं। इसका असर मालदीव की घरेलू राजनीति पर भी देखने को मिल रहा है। भारतीय उपमहाद्वीप के दक्षिण पश्चिम में स्थित इस द्वीपीय देश में मुइज्जू के राजनीतिक उभार से भारत की समस्याएं बढ़ रही हैं। दरअसल, मुइज्जू भारत की मालदीव में उपस्थिति को अनियंत्रित बता कर देश की सत्ता के शीर्ष पर आए हैं, और भारत विरोध की नीति के सहारे देश की संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने में कामयाब हो गए हैं। लेकिन अब मुइज्जू ने जिस प्रकार देश की संसद में भी बंपर बहुमत हासिल किया है, उससे लगता है कि उनके भारत विरोध और चीन परस्त नीतियों को जनता ने पसंद किया है। ऐसे में यह विचार लाजिमी है कि आखिर, मालदीव की जनता भारत जैसे विसनीय मित्र के खिलाफ जाकर चीन की कुटिल कर्जनीति में क्यों उलझना चाहती है, और इसके दूरगामी परिणाम भारत के लिए कितने चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। जनसंख्या की लिहाज से बहुत छोटे इस इस्लाम बाहुल्य देश में पिछले कुछ वर्षों में परंपरावाद को उभारने की कोशिशें राजनीतिक फायदा देने वाली साबित हुई हैं। खाड़ी देशों में रोजगार के लिए जाने वाले मालदीव के हजारों नागरिकों की कथित धार्मिक अभिव्यक्ति को मुइज्जू ने वोट में बदलने में कामयाबी हासिल कर ली है। उन्होंने भारत से ऐतिहासिक जुड़ाव को नजरअंदाज कर बदलती परिस्थितियों में तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब की ओर रुख किया। फिलिस्तीन जैसे भावनात्मक मुद्दे को धार्मिक आधार पर उठाया तथा इस्लामिक आदर्शवाद पर आधारित नये मालदीव की परिकल्पना को राजनीतिक आधार पर जनता के सामने रखा। मुइज्जू ने संसद में संविधान में संशोधन के लिए आवश्यक दो तिहाई बहुमत हासिल कर लिया है। अर्थ यह कि वे राजनीतिक संस्थागत दृष्टिकोण से, सब कुछ नियंत्रित कर सकते हैं खासकर न्यायपालिका की शक्तियां भी प्रभावित हो सकती हैं। मालदीव में राजनीतिक उथल-पुथल का इतिहास रहा है। भारत समर्थक राजनीतिक दलों पर अंकुश लगाने के लिए मुइज्जू प्रमुख नेताओं को जेल में डाल सकते हैं। मुइज्जू ने सत्ता में आने के बाद चीन से मजबूत रिश्तों को तरजीह दी। वे अब तक नई दिल्ली नहीं आए हैं, बीजिंग की राजकीय यात्रा पर जाकर निवेश के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। चीन के साथ गैर-घातक हथियारों को मुफ्त में देने के साथ-साथ मालदीव के सुरक्षा बलों को प्रशिक्षित करने के लिए एक सैन्य सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। भारत और अमेरिका ने पहले मालदीव की सेना को प्रशिक्षित किया था। भारत मालदीव को हिन्द महासागर क्षेत्र में प्रमुख समुद्री भागीदार के रूप में मान्यता देता है। यह द्वीपीय राष्ट भौगोलिक दृष्टि से भारत और कुछ प्रमुख अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों पर नजर रखता है। भारत ने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि मालदीव व्यापार, पर्यटन और शिपिंग के लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है। मालदीव रणनीतिक रूप से लक्षद्वीप द्वीप समूह से केवल सात सौ किलोमीटर और भारत की मुख्य भूमि से बारह सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव भारत से इसकी निकटता को देखते हुए महत्त्वपूर्ण सुरक्षा चिंताओं को जन्म देता है। हिन्द महासागर क्षेत्र में चीन ने तेजी से सैन्य आधुनिकीकरण किया है, इससे भारत की सामरिक और आर्थिक क्षमताओं के सामने चुनौतियां बढ़ गई हैं। हिन्द महासागर में बीजिंग के बढ़ते प्रभाव और उसकी महत्त्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल में मुइज्जू की दिलचस्पी कम नहीं है। 2023 में मालदीव के राष्टपति पद पर मोहम्मद मुइज्जू के चुने जाने के बाद से क्षेत्र में देश के रिश्ते बदल गए हैं। मालदीव ने चीन के साथ रक्षा समझौतों और बुनियादी ढांचे के सौदों पर हस्ताक्षर किए हैं। चीन के समुद्री अनुसंधान जहाज जियांग यांग होंग को मालदीव के बंदरगाह पर डॉक करने की अनुमति देने से चीन का प्रभाव और भी पुष्ट होता है। जनवरी में जब मुइज्जू ने चीन का दौरा किया था, इसके चौबीस घंटे के बाद चीन के इस जहाज ने अपनी यात्रा की शुरुआत की थी। संभवत- मुइज्जू इसके जरिए भारत को यह संदेश भी दे देना चाहते थे कि वे चीन से रिश्तों को लेकर कोई समझौतावादी रुख नहीं अपनाएंगे। बारह सौ द्वीपों की श्रृंखला से बने मालदीव के अधिकांश द्वीप निर्जन हैं। मालदीव लंबे समय से भारत के प्रभाव क्षेत्र में रहा है। वहां अपनी मौजूदगी बनाए रखने से दिल्ली को हिन्द महासागर के एक प्रमुख हिस्से पर नजर रखने की क्षमता मिलती है। मुइज्जू को देश में चीन के हितों के समर्थक के रूप में देखा जाता है। भारत और चीन, दोनों रणनीतिक रूप से स्थित द्वीपों में अपनी उपस्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं, जो व्यस्त पूर्व पश्चिम शिपिंग लेन में फैले हुए हैं।

शिशु आहार से मसालों तक शिकायत

के श्रीनाथ रेड्डी

अमेरिकी लेखक और पर्यावरणविद वेंडेल बेरी की एक तल्ख टिप्पणी आज बड़ी मौजूं है, 'लोगों को ऐसे खाद्य उद्योग द्वारा भोजन दिया जाता है, जो सेहत पर कोई ध्यान नहीं देता है ...और उनका इलाज ऐसे स्वास्थ्य उद्योग द्वारा किया जाता है, जो भोजन पर कोई ध्यान नहीं देता है।' साफशब्दों में कहें, तो खाद्य उद्योग लोगों की सेहत के प्रति और स्वास्थ्य उद्योग लोगों के पोषण के प्रति लापरवाह है। जो लोग जन स्वास्थ्य के महत्व को समझते हैं, वे पोषण का महत्व भी अच्छी तरह जानते हैं। ऐसे विशेषज्ञ सेहत पर मंडराते खतरों और खाद्य उद्योग की भूमिका को लेकर सतर्क हैं। आजकल जैसे उत्पाद बाजार से हमारे निवाले तक पहुंच रहे हैं, उनको लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। एक हालिया रिपोर्ट पर नाराजगी है कि नेस्ले कंपनी भारत और कई अन्य विकासशील देशों में ऐसे शिशु आहार बेच रही है, जिसमें यूरोप में बेचे जा रहे शिशु आहार की तुलना में शर्करा की मात्रा ज्यादा है। जब यह रिपोर्ट सामने आई, तब हांगकांग व सिंगापुर की नियामक एजेंसियों ने दो भारतीय कंपनियों के कुछ मसालों पर रोक लगा दी, इससे भी चिंता की लहर दौड़ गई। नेस्ले के शिशु आहार (सेरेलैक) पर रिपोर्ट एक स्विस गैर-सरकारी संगठन पब्लिक आई द्वारा जारी की गई है, जिसने इंटरनेशनल बेबी फूड एक्शन नेटवर्क के साथ मिलकर यह शोध किया है। दरअसल, नेस्ले कंपनी मातृ-दूध का विकल्प पेश करने का दावा करती है। तमाम स्वास्थ्य अधिकारी जिंदगी के पहले छह महीनों तक केवल मां का दूध पिलाने की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे आदर्श पोषक संरचना, प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण और बच्चे की आंत में एक स्वस्थ माइक्रोबायोम के विकास में मदद मिलती है। जो कंपनियां मातृ-दूध के विकल्प को बढ़ावा देकर व्यावसायिक अभियान चलाती हैं, वे दरअसल मां और शिशु के स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सोच को कमजोर करती हैं। कंपनियों ने प्रचार कर रखा है कि मां के दूध के बिना भी शिशु पोषण संभव है। आखिर, यह शिशु आहार संबंधी विवाद क्यों है? क्या खाद्य उद्योग खाद्य पदार्थों में शर्करा की मात्रा बढ़ाते हुए स्वास्थ्य संबंधी खतरे की ओर से अपनी आंखें बंद कर ले रहा है? यदि हां, तो वह पश्चिमी यूरोप में ऐसा न करने को लेकर क्यों सावधान है? वह भारत सहित अनेक विकासशील देशों में ऐसा करने के लिए क्यों आजाद महसूस करता है? क्या ऐसा इसलिए है, क्योंकि राष्ट्रीय नियामक एजेंसियों की क्षमता में अंतर है? यूरोप की खाद्य नियामक एजेंसियां ज्यादा सतर्क हैं। वे खाद्य पदार्थों की कड़ाई से निगरानी करती हैं और कानूनों को सही ढंग से लागू करती हैं। यूरोपीय नियामक खाद्य सामग्रियों की स्वतंत्र जांच में सक्षम हैं और कार्रवाई करने के लिए भी ज्यादा स्वतंत्र हैं। ध्यान रहे, शिशु आहार में उच्च शर्करा मोटापे की वजह बन सकती है। उच्च शर्करा की शिकायत आगे चलकर मधुमेह में बदल सकती है। चूंकि उच्च शर्करा का सेवन एक लत में बदल जाता है, तो बच्चा अधिक आहार की मांग करता है, जिससे शरीर में वसा की मात्रा बढ़ जाती है, जिससे कमजोर मांसपेशियों का विकास होता है। इससे एक चुस्त, सेहतमंद और आर्थिक रूप से उत्पादक पीढ़ी की उम्मीद धूल में मिल जाती है। यह वही पीढ़ी है, जो हमारे भविष्य की प्रगति की ध्वजवाहक बन सकती है। यहां मसाला से जुड़ी कहानी अलग है। कथित तौर पर हांगकांग और सिंगापुर में नियामक एजेंसियों ने भारतीय मसालों में एथिलीन ऑक्साइड नाम का रासायनिक कैंसर कारक तत्व पाया है। इन दोनों देशों में प्रतिबंध के बाद, मीडिया ने बताया है कि सितंबर 2020 और अप्रैल 2024 के बीच यूरोपीय खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण (ईएफएसए) ने 527 भारतीय खाद्य उत्पादों में इस रसायन का पता लगाया था। इसका उपयोग मसालों को सुगंधित बनाने के लिए भी किया जाता है। एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में आने से लिंफोमा और ल्यूकेमिया जैसे कैंसर हो सकते हैं। वैसे, पैकेटबंद मसालों को लेकर जो शिकायत आ रही है, उसके पीछे निर्माण की गलत विधि जिम्मेदार है। मसाला प्रसंस्करण का काम जहां होता है, वहां औद्योगिक रासायनों की माजूदगी एक वजह हो सकती है। दूसरी ओर, शिशु आहार की अगर बात करें, तो इसमें जान-बूझकर ज्यादा शर्करा तत्व मिलाए जा रहे हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण कथित तौर पर सेरेलैक के भारतीय और अंतरराष्ट्रीय संस्करणों पर किए गए परीक्षणों की रिपोर्ट जुटाने की कोशिश कर रहा है। यह उन भारतीय मसाला ब्रांडों के देशव्यापी नमूने भी एकत्र कर रहा है, जिन्हें कुछ विदेशी नियामकों ने लाल झंडी दिखाई है। बेशक, मसालों की जांच सक्षम भारतीय प्रयोगशालाओं में की जाएगी, पर यह देखना चाहिए कि भारत में बने खाद्य उत्पादों की जांच के लिए पहले क्या-क्या उपाय किए गए हैं? क्या हमारी नियामक एजेंसियों के पास परीक्षण की तमाम जरूरी व्यवस्था है? हमें विदेशी संगठनों के खुलासे पर ही क्यों निर्भर रहना चाहिए या विदेशी नियामकों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों से सतर्क क्यों रहना चाहिए? जब हम भारत में कुछ बनाते हैं, तो क्या उसकी सही जांच यहीं नहीं करनी चाहिए? हमारी नियामक एजेंसियों को उद्योग के प्रभाव या राजनीतिक दबावों का सामना करने में सक्षम बनाने की जरूरत है। खाद्य गुणवत्ता जांचने वालों को अधिक साधन संपन्न, सतर्क और अभेद्य होने की जरूरत है। हमें अपनी नियामक एजेंसियों की कमान खाद्य उद्योग के ही पसंदीदा उदार या लचीले व्यक्तियों के हाथों में नहीं सौंपनी चाहिए। एजेंसी का मार्गदर्शन करने वाली तकनीकी सलाहकार समितियों में लचीले लोगों को शामिल करके एजेंसी पर कब्जा देने से बचना चाहिए। हालांकि, ऐसी नियुक्तियां अक्सर राजनीतिक फैसले पर आधारित होती हैं, पर नागरिक समाज को सुनिश्चित करना चाहिए कि नियामक एजेंसियां जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहें।

स्कूलों में बम की सूचना से सबक....

दिलीप त्रिवेदी

बुधवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के करीब सौ स्कूलों में बम की सूचना ने सबको चिंता में डाल दिया। बड़े पैमाने पर स्कूलों के जरिये दहशत फैलाने की साजिश हुई है। हालांकि, ज्यादातर स्कूलों में सुरक्षा चाक-चौबंद है, बाहरी लोगों को स्कूलों में जाने नहीं दिया जाता है। फिर भी स्कूलों में सुरक्षा की ज्यादा चिंता होनी चाहिए और सभी को नए सिरे से सचेत हो जाना चाहिए। वैसे, अगर हम गौर करें, तो शायद ही कभी ऐसा होता है, जब दहशतगर्द बताकर हमले करते हैं। 9/11 का हमला हो या 26/11 का हमला, दहशतगर्दों ने घातक हमले पहले बताकर या धमकाकर नहीं किए थे। आम तौर पर हमला होने के बाद ही कोई आतंकी संगठन उसकी जिम्मेदारी लेता है। फिलहाल, स्कूलों में बम की धमकी में कोई खास दम नहीं दिखता है, पर इसका मतलब यह नहीं कि हम हाथ पर हाथ धरे बैठ जाएं। ऐसी धमकियों को भी गंभीरता से लेने की जरूरत है, क्योंकि इसमें बच्चों की सुरक्षा का सवाल शामिल है। जांच पूरी होनी चाहिए, जहां-जहां बम की आशंका बताई गई है, वहां-वहां घेराबंदी करके पुलिस की स्थापित प्रक्रियाओं का पालन करना चाहिए। दहशतगर्दों की मानसिकता को समझने की जरूरत है, वे अपनी किसी भी कारस्तानी का बड़ा प्रभाव देखना चाहते हैं। ऐसे तत्व भीड़ भरे बाजारों को चुनते हैं, ताकि छोटे धमाके का भी बड़ा असर हो सके। रेलवे स्टेशन, बाजार या बस अड्डे निशाने पर रहते थे, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को नुकसान पहुंचाकर समाज में बड़े पैमाने पर दहशत फैला सकें। कभी दिल्ली में ट्रांजिस्टर की मदद से बसों में विस्फोट की साजिश होती थी, खिलौनों का भी इस्तेमाल होता था। अब भीड़ भरे इलाकों की संख्या बढ़ती जा रही है। जैसे ऊंची-ऊंची इमारतें बन गई हैं, अनेक मॉल्स खड़े हो गए हैं, उसी हिसाब से चिंता भी बढ़ गई है। अगर ऐसी जगहों पर

विस्फोट हो और भगदड़ मचे, तो बड़े पैमाने पर क्षति पहुंच सकती है, अराजक स्थिति बन सकती है। मतलब, ऐसी तमाम भीड़ भरी जगहों की सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखना होगा, ताकि किसी भी तरह की हिंसक या गलत गतिविधियां ऐसी जगहों पर जाल न बिछा पाएं। भीड़ भरी जगहों की संख्या दिनों दिन बढ़ती चली जाएगी और इससे बचा नहीं जा सकता। मिसाल के लिए, पहले इतनी संख्या में स्कूल नहीं थे, पर अब जगह-जगह स्कूल हो गए हैं, तो चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। छोटे शहरों में भी भीड़ बढ़ रही है, पर बड़े शहरों में ज्यादा खतरा है। बड़े शहरों में जब आतंकी घटना होती है, तो देश-दुनिया में ज्यादा चर्चा होती है। दहशतगर्दों का मकसद ही यही होता है कि ज्यादा से ज्यादा प्रचार हो सके। जब वर्ल्ड ट्रेड टावर पर हमला होता है या मुंबई जैसी व्यावसायिक राजधानी पर या दिल्ली में सीधे संसद पर, तब दहशत तेजी से फैलती है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश के सभी आर्थिक-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण शहरों की चिंता हमें होनी चाहिए। तमाम स्कूलों, भीड़ भरी जगहों, भवनों के लिए विशेष रूप से सोचना होगा। दुर्घटना होने की स्थिति में बचकर बच्चे या लोग कैसे निकलेंगे? हर भवन के पास भगदड़ से बचने की योजना होनी चाहिए। लोगों को भी जागरूक होना चाहिए। जैसे सिनेमा हॉल है, वहां जगह-जगह बाहर निकलने के आपात-रास्तों के बारे में सूचना दर्ज होती है, पर उस पर लोगों का ध्यान कम जाता है। ऐसी आपात योजनाओं के बारे में सभी लोगों को जानकारी होनी चाहिए, ताकि सुरक्षा और सावधानी के साथ लोग समय रहते अपनी जान बचाकर भवन से बाहर निकल जाएं। इसी तरह स्कूलों की बात करें, तो स्कूलों में पहले रिहर्सल किया जाता था कि आपात स्थिति में किस कक्षा के छात्र किसी दिशा से होते हुए किस दरवाजे से बाहर निकलेंगे, सारे लोग आपात स्थिति में एक ही दरवाजे की ओर नहीं भागेंगे, कक्षाओं से निकल भागने के अधिक से अधिक या पर्याप्त रास्ते होंगे। छात्रों को बताना होगा कि आपात स्थिति होने पर किस रास्ते से भागकर कहां जाना है या कैसे स्कूल के मैदान में आना है। स्कूलों के पास बचाव की योजनाएं होनी चाहिए। आपातकालीन व्यवस्था का रिहर्सल समय-समय पर किया जाना चाहिए, इससे लोगों को सजग रहने में मदद मिलती है और समाज में लापरवाही भी घटती है। बहरहाल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के जिन स्कूलों को धमकी मिली है, वहां पुलिस को स्कूलों का पूरा मौका-मुआयना करना चाहिए और लगे हाथ स्कूलों की बचाव व्यवस्था की भी समीक्षा करनी चाहिए। ऐसा नहीं मानना चाहिए कि धमकी में कोई सार नहीं है, ऐसी धमकी भी एक सबक है कि हम पहले की तुलना में ज्यादा सचेत हों और बचाव संबंधी अपनी योजनाओं को पुन: परखकर चुस्त-दुरुस्त कर लें। पुलिस को स्कूल प्रबंधन के साथ बैठकर देखना चाहिए कि ऐसी स्थिति बनने पर स्कूल कैसे अपना या अपने बच्चों का बचाव करेगा। जिन स्कूलों के पास बचाव की योजना नहीं है, उनकी मदद पुलिस कर सकती है। ऐसी ही तैयारी हर सोसायटी, हर ऊंची इमारत, कार्यालय, बाजार, मॉल में भी होनी चाहिए। हवाई अड्डों और बस अड्डों की सुरक्षा भी समीक्षा के दायरे में आनी चाहिए। बचाव की स्थिति में पानी, बिजली की व्यवस्था, आपात चिकित्सा सुविधा को मुकम्मल करना चाहिए। आसपास कौन से अस्पताल हैं? बचाव के लिए किधर जाना है, इसकी पूरी योजना लोगों के ध्यान में रहनी चाहिए। आज देश में चुनाव का समय है, तो इस धमकी का एक सियासी कोण भी हो सकता है, पर इसका मतलब यह नहीं कि पुलिस या सुरक्षा एजेंसियां धमकी को हल्के से लेते हुए नजरंदाज कर दें। राजनीति की कोई चिंता न करते हुए पुलिस को अपना रवैया पेशेवर रखना चाहिए और अपनी तैयारी में ढील नहीं देनी चाहिए। पुलिस को देखना चाहिए कि वह क्या सीख सकती है और क्या सुधार कर सकती है। गौरतलब है, दुनिया में तकनीक का तेजी से विस्तार हो रहा है। देशद्रोही या दहशतगर्द भी इसका दुरुपयोग कर सकते हैं। पहले आतंकी गतिविधि सामान्य किस्म की होती थी कि कहीं बम लगा दिया

संक्षिप्त समाचार

जैन मिलन सेंट्रल ने अक्षय तृतीया पर्व मनाया

अशोकनगर (विश्व परिवार)। श्री ऋषभदेव भगवान के दीक्षा उपरांत प्रथम आहार दिवस के उपलक्ष्य में अक्षय तृतीया पर श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बैठा देव ग्राम तूमेन में भगवान के अभिषेक शांति धारा उपरांत जैन मिलन सेंट्रल शाखा अशोकनगर द्वारा शीतल आइसक्रीम का वितरण किया गया। अध्यक्ष वीरेंद्र जैन अथाईखेड़ा, मंत्री सुनील जैन बेलई, कोषाध्यक्ष संजय जैन कन्हेरा ने बताया कि कार्यक्रम में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष कैंची, संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा, संयोजक प्रमोद छाया, संतोष सिन्नी, जितेंद्र जैन शिक्षक, सुनील जैन कोठारी, मनोज जैन बहादुरपुर, संजय सिंघई, सचिन जैन बारी, नीलेश जैन सहित अन्य वीर बंधुओ सहभागिता की।आदिनाथ भगवान की प्रतिमा पर सौधर्म इंद्र बनकर प्रथम शांति धारा अभिषेक करने का सौभाग्य हमारे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची को प्राप्त हुआ।

रामगंजमंडी में अक्षय तृतीया पर्व भक्ति भाव के साथ मनाते हुए श्रावक समूह एवम संगिनी समूह द्वारा गन्ने का रस पिलाया गया

रामगंजमंडी (विश्व परिवार)। जैन दर्शन मे अक्षय तृतीया पर्व का विशेष महत्व है इस दिन भगवान् आदिनाथ को एक वर्ष बाद आहार की विधि मिली विधि मिलने पर उन्हे प्रथम बार आहार मिला। वह भी इक्षु रस (गन्ने का रस) का तभी से यह पर्व अक्षय पर्व के रूप मे जाना जाने लगा और इसे अक्षय तृतीया पर्व के रूप मे मनाया जाता है और तभी से दान देने की परम्परा की शुरुआत हुई। रामगंजमंडी में इसी क्रम मे प्रात:बेला मे भव्यता के साथ श्रीजी का अभिषेक शांतिधारा पूजन की गयी इसके उपरान्त श्रावक समूह द्वारा सभी को इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाया गया जिसमे सभी भक्त सम्मलित रहे और प्रभु आदिनाथ की जय जयकार की गयी वही संध्या बेला शाम 4 से 6 के मध्य महिला समूह संगिनी ग्रुप की और से सभी को इक्षु रस (गन्ने का रस) पिलाया गया जिसमे सभी महिला शक्ति सक्रिय रही साथ ही समाज बंधुओ एवं युवा वर्ग का विशेष सहयोग रहा सभी ने एक जुटता के साथ इस दिवस को भव्य रूप से मनाया एवम प्रभु आदिनाथ का गुणानुवाद किया इस अवसर पर समाज, अध्यक्ष दिलीप कुमार विनायका के साथ समस्त समाजजन ने अपनी सहभागिता दी। इस अवसर पर शांतिनाथ महिलामंडल अध्यक्ष शोभना सावला, उपाध्यक्ष सुलोचना लुहाड़िया ने अपना सहयोग दिया साथ एवम विशिष्ट योगदान देते हुए संगिनी समूह की साधना जैन, , सारिका चांदवाड़, मनीषा जैन, शिल्पा जैन, हेमा जैन, श्वेता जैन, पूजा जैन, मोना जैन, अंजली जैन, विजया जैन, नीलू जैन, रूपाली जैन, सारिका जैन ने इस आयोजन को भव्य बनाया।

समय का सदुपयोग करने वाला ही सफलता प्राप्त करता है: ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी

रायपुर (विश्व परिवार)। राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन हमारी जिन्दगी का सबसे सुनहरा समय होता है। इसलिए एक-एक सेकण्ड का सदुपयोग अपने भविष्य को संवारने के लिए करना चाहिए। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफ्ल होता है। ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में समय प्रबन्धन कला (टाईम मैनेजमेन्ट) विषय पर बच्चों को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने बच्चों को सुझाव देते हुए कहा कि अपने कार्यों को तीन भागों में बांट लेना चाहिए। अतिआवश्यक, आवश्यक और शेष बचे हुए कार्य। सबसे पहले अतिआवश्यक कार्य को पूरा करें। फ्रि आवश्यक और उसके बाद शेष रहे हुए कार्यों को निपटाना चाहिए।

अक्षय तृतीया पर जैन मंदिरों में हुए कार्यक्रम

सागर (विश्व परिवार)। अक्षय तृतीया पर जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदि ब्रह्मा श्री आदिनाथ भगवान के प्रथम आहार में गन्ना के रस श्रावकों के द्वारा दिए गए थे। तभी से अक्षय तृतीया पर आहार दान और दान देने की परंपरा प्रारंभ हुई थी। आज अक्षय तृतीया को सभी जैन मंदिरों में प्रथम तीर्थकर श्री आदिनाथ भगवान की पूजन, अभिषेक, शांतिधारा हुई और लोगों ने जहां मुनि महाराज विराजमान है। वहां पहुंचकर आहार दिए और मंदों में दान दिया।

कुंडलपुर में आचार्य श्री समय सागर महाराज के सानिध्य मे अक्षय तृतीया का पर्व मनाया गया। बड़े बाबा का अभिषेक हुआ शांति धारा की गई हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। सागर में नमक मंडी स्थित है श्री पारसनाथ जिनालय के द्वितीय मंजिल पर विराजमान श्री आदिनाथ भगवान की वेदी पर श्री जी की प्रतिमा पर शांति धारा और अभिषेक का सौभाग्य मुकेश जैन ढाना, श्रीमती संगीता जैन, द्वितीय शांति धारा राहुल प्रकाश पारस और तृतीय शांति धारा प्रसन्न चौधरी सुषमा चौधरी के परिवार द्वारा की गई। **-मुकेश जैन ढाना**

पंचवालयति मंदिर में आचार्य श्री उदारसागर जी महाराज संसघ एवं मुनिश्री उपशांत सागर जी महाराज संघ का हुआ मंगल प्रवेश

इंदौर (विश्व परिवार)। पंचबालयति दिगम्बर जैन मंदिर मे आचार्यश्री उदार सागर जी महाराज, मुनि श्री उपशांत सागर जी महाराज संसघ का मंगल प्रवेश हुआ। जैन समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि प्रवेश द्वार पर 108 थालियो मे महाराज श्री के चरणों का पादप्रक्षालन किया गया और भव्य मंगल आगवनी की इसके पश्चात आचार्य श्री के मंगल प्रवचन मे आचार्य श्री ने कहा आज अक्षय तृतीया का पावन पर्व है यह पर्व हम सबके कल्याण के लिए है। युग श्रेष्ठ भगवान आदिनाथ ने दीक्षा ग्रहण की ओर नवधा भक्ति पुर्वक आहार विधि नही मिलने के 12 माह बाद विधि मिलने के उपरांत प्रथम आहार राजा श्रेयांश द्वारा इक्छुक रस से आहार लिया इसीलिए आज के दिन आहार दान का विशेष महत्व बताया इस अवसर पर पंडित रतनलाल शास्त्री ब्रह्मचारी सुरेश भैया, जिनेश भैया दिगम्बर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष श्री राजकुमार पाटोदी, श्री हर्ष जैन, श्री अनिल ईटको, संजय अहिंसा, श्री सुरेशचंद मारोरा, अनिल जैन एसडीओ, विपिन सेठिया, प्रधुमन जैन, श्रीपाल काका सहित अनेक समाज श्रेष्ठी उपस्थित रहे। **-अभिषेक जैन लुहाड़िया**

हर्षोल्लासपूर्वक अक्षय तृतीया का परिणाम महोत्सव सानंद हुआ सम्पन्न

दुर्ग (विश्व परिवार)। आज हर्ष और उल्लास के वातावरण में जय आनंद मधुकर रतन भवन बांदा तालाब दुर्ग एवं ऋषभदेव परिसर दुर्ग में अक्षय तृतीया का परिणाम महोत्सव सानंद सम्पन्न हुआ।

जय आनंद मधुकर रतन भवन की धर्म सभा में उप प्रवर्तक डॉक्टर सतीश मुनि जी श्री विजय श्री जी एवं साध्वी प्रियदर्शनी श्री जी के सानिध्य में संत श्री रमण मुनि जी का 39वॉ साध्वी विचक्षणा श्रीजी 4था साध्वी सु प्रज्ञप्ति श्री जी का 5वां अक्षय तृतीया पारणा करवाने श्रमण संघ के वरिष्ठ सदस्य श्री पारस मल संचेती जसराज जी पारख सुरेश लुनिया टीकम छाजेड़ बंटी संचेती ने चक्षुरस गन्ना रस से आहार समर्पित करने का लाभ लिया। इसके साथ-साथ श्रमण संघ परिवार के श्रीमती भारती पारख श्रीमती सरला देवी बोहरा का जय आनंद मधुकर रतन भवन में अभिनंदन किया गया इस तपस्या में एक एक दिन के अंतराल में उपवास लगातार 1 वर्ष तक करना होता है

बाफना परिवार एवं आदिनाथ जैन मंदिर ट्रस्ट द्वारा आयोजित अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव में संत श्री रमण मुनि साध्वी विचक्षणा श्री जी साध्वी सु प्रज्ञप्ति श्री जी के साथ साथ नीलम बाफना कंचन बाफना नीता बाफना दीपा गोलक्षा प्रवीण गोलक्षा का अक्षय तृतीया अभिनंदन एवं पारणा महोत्सव संत ऋषभ सागर जी डा सतीश मुनि जी संत कल्प यज्ञ सागर साध्वी संधमित्रा श्री जी साध्वी विजय श्रीजी साध्वी प्रियदर्शना श्री जी प्रेरक उपस्थितिथी एवं पावन सानिध्य में ऋषभदेव परिसर में आध्यात्मिक वातावरण में अंकित लोढ़ा के भक्ति गीतों की शानदार ध्वनि के साथ प्रारंभ हुआ इसके पूर्व वर्षीतप करने वाले साधकों की भव्य शोभायात्रा सदर जिन मंदिर से से प्रारंभ होकर ऋषभदेव परिसर में शोभायात्रा का समापन हुआ जहां आदिनाथ मंदिर ट्रस्ट एवं वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रमण संघ ने सभी तब आराधों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों के गौतम प्रसादी की व्यवस्था वर्षीतप आराधक परिवार की ओर से रखी गई थी।

भगवान आदिनाथ से जुड़ी है अक्षय तृतीया का पारणा- जो श्रेष्ठ लोग वर्षीतप की तपस्या करते हैं वे इस दिन शत्रुंजय की शीतल छाया में गन्ने के रस का सेवन करके तपस्या पूरी करते हैं। भगवान ऋषभदेव ने लगातार एक वर्ष तक उपवास करने के बाद इसी दिन पारण (तपस्या का समापन) किया था। शत्रुंजय तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए यह दिन बहुत शुभ माना जाता है।

जैन धर्म के इतिहास में अक्षय तृतीया का है विशेष महत्व- जैन धर्म के इतिहास में अक्षय तृतीया का है विशेष महत्व, भारतीय संस्कृति में बैसाख शुक्ल तृतीया का बहुत बड़ा महत्व है, इसे अक्षय तृतीया भी कहा जाताहै। जैन दर्शन में इसे श्रमण संस्कृति के साथ युग का प्रारंभ माना जाता है। जैन दर्शन के अनुसार भरत क्षेत्र में युग का परिवर्तन भोग भूमि व कर्मभूमि के रूप में हुआ। भोग भूमि में कृषि व कर्मों की कोई आवश्यकता नहीं। उसमें कल्प वृक्ष होते हैं, जिनसे प्राणी को मनवांछित पदार्थों की प्राप्ति हो जाती है। कर्म भूमि युग में कल्प वृक्ष भी धीरे-धीरे समाप्त हो जाते हैं और जीवको कृषि आदि पर निर्भर रह कर कार्य करने पड़ते हैं। भगवान आदिनाथ इस युग के प्रारंभ में प्रथम जैन तीर्थंकर हुए।

प्रथम आहार गन्ने का रस का दिया- उन्होंने लोगों को कृषि और षट् कर्म के बारे में बताया तथा ब्राह्मण, क्षत्रीय, वैश्य की सामाजिक व्यवस्थाएं दीं। इसलिए उन्हें आदि पुरुष व युग प्रवर्तक कहा जाता है। जैन दर्शन में अक्षय तृतीया का बहुत बड़ा आज भी जैन धर्मावलंबी वर्षीतप की आराधना कर अपने को धन्य समझते हैं।

-नवीन संचेती

कुलपति डॉ. चंदेल ने मिट्टी एवं बीजों की पूजा कर अच्छी फसल की कामना की

कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों में भी मनाया गया अक्ती तिहार

रायपुर (विश्व परिवार)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां अक्षय तृतीया के अवसर पर विश्वविद्यालय स्तरीय अक्ती तिहार समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में माटी पूजन एवं बीज संस्कार कर खेत में धान के बीजों की बुवाई की। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेतों की जुताई भी की। डॉ चंदेल ने अच्छी फसल के लिये धरती माता से प्रार्थना करते हुवे कोठी से धान के बीज लाकर पूजा की और गौ माता को चारा भी खिलाया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की आंतरिक बस सेवा का शुभारंभ भी किया गया।

अक्ती तिहार समारोह को संबोधित करते हुए कुलपति डॉ चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में अक्षय तृतीया को किसानों द्वारा मिट्टी एवं बीजों की पूजा कर बीज बुवाई करने की परंपरा है। इस प्रकार अक्षय तृतीया के दिन से नये कृषि सत्र की शुरूआत होती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए समस्त कृषि महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं बीज प्रक्षेत्रों में अक्ती तिहार समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. चंदेल ने कहा कि आज का दिन मिट्टी, पानी तथा पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के किसानों को विभिन्न फसलों के उन्नत प्रमाणीकृत बीज उपलब्ध कराए जा रहे है जिससे उन्हें अच्छी पैदावार मिल सके और अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव श्री जी.के. निर्माम, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रायपुर डॉ. जी.के. दास, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी डॉ. वी.के. पाण्डेय, अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी डॉ ए.के. दवे सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

आधुनिक शिक्षण तकनीक से 1500 बच्चों ने सीखे जैनत्व के संस्कार

यंग जैन स्टडी ग्रुप, पं. प्रकाश छाबड़ा ने लगाया 1 से 9 मई तक जैन बाल युवा संस्कार शिक्षण शिविर

इन्दौर (विश्व परिवार)। माइक्रोसाफ्ट अमेरिका से अपना विषेष पैकेज छोड़कर आए पं. प्रकाश छाबड़ा द्वारा गठित यंग जैन स्टडी ग्रुप के आधुनिकतम प्रयास जैन समाज में अपनी उत्कृष्ट पहचान बनाकर संस्कारों का शंखनाद कर रहे है। श्रावक रत्न श्री विमलचंद छाबड़ा के मार्गदर्शन में 1 से 9 मई 2024 तक जैन बाल एवं युवा संस्कार शिक्षण शिविर सन्मति स्कूल, संयोगिता गंज, इन्दौर में संपन्न हुआ। जिसमें रजिस्टर्ड 2000 बच्चों में से 1500 से अधिक बच्चों ने 8 दिनों तक जैनत्व के संस्कारों का शंखनाद किया, जो अत्यंत ही अनूठा व अद्भूत था।

सबसे अलग, सभी संस्था से हटकर, केवल और केवल बच्चों व युवाओं ने स्वयं की प्रेरणा से 2000 से अधिक ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन कराये और लगभग 1500 बच्चों ने षिविर में सहभागिता कर लेवल वन से लेवल सेवन में विभाजित जैनागम में वर्णित णमोकार मंत्र, पंच परमेष्ठी का स्वरुप, भगवान-तीर्थंकर, छह द्रव्य, सात तत्व, आठ कर्म, दषधर्म, चार गति, जीव-अजीव पहचान, भक्ष्य-अभक्ष्य, तीन लोक, विष्व का स्वरुप, पाप से कैसे बचे, रात्रि भोजन, छने पानी की समझ, सेव्य-अनुसेव्य जैसे गंभीर विषयों को विषय विशेषज्ञ युवा विद्वानों ने लगभग 1500 बच्चों को प्रत्यक्ष व सैकड़ो बच्चों को यू-ट्युब लाइव के माध्यम से समझाने में सफलता प्राप्त की।

ग्रुप की टीम प्रात: 5 बजे से मैदान सम्हाल कर व्यवस्थाओं में जुट जाती है और स्कूल की 40 बसें प्रात: 5.30 से बच्चों को लेकर ठीक 6.45 तक षिविर स्थल पहुंच जाती है। ठीक 6.50 पर जिनेन्द्र अभिषेक फिर अनुषासित होकर अष्टद्रव्य से पूजन श्री विमलचंदजी छाबड़ा के मार्गदर्षन व सुमधुर कंठ की धनी श्रीमती जयश्री टोंग्या की मधुर आवाज में प्रारंभ होती है और 1500 बच्चे अपनी थाली लेकर चार-चार के ग्रुपों में अष्टद्रव्य से पूजा करते तो ऐसा लगता कि यह कोई पंचकल्याणक का नजारा है जहां छोटे-छोटे बच्चों में पूजन के संस्कार दिये जा रहे है। अक्षत क्या है, पुष्प क्या है, पूजन का क्या अर्थ है, श्रावक के लिए पूजन क्यों जरुरी है यह बाते षिविर प्रमुख पं. प्रकाष छाबड़ा कार्डलेष माइक से समझाते जाते है। **-वीरेन्द्र जैन, राजेन्द्र जैन**

सी मार्ट चौपाटी के संचालक की बेटियां ने बढ़ाया छत्तीसगढ़ का मान

बारहवीं बोर्ड में आयुषी ने छत्तीसगढ़ में किया तीसरा स्थान हासिल

जशपुर नगर (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय के सी मार्ट चौपाटी के संचालक मुकेश गुप्ता की बेटियां आयुषी गुप्ता ने बारहवीं बोर्ड में 96.80 प्रतिशत हासिल कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। प्रदेश में वह तीसरे स्थान पर है। आयुषी अंग्रेजी माध्यम स्वामी आत्मानंद की छात्रा है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षक व माता पिता को दिया हैं। आयुषी शुरू से ही मेघावी छात्र रही है। जब नतीजा जारी हुआ तो परिणाम देखकर आयुषी के पिता मुकेश गुप्ता व माता सुषमा गुप्ता के खुशी से आंखे भर आई। बेटियां को गले लगाकर पीठ थपथपाया। बेटियां ने माता, पिता गुरुओं का चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया। खुशी से मिठाई बांटी गई। आयुषी ने बताया मैंने रोजाना पांच घंटे से अधिक पढ़ाई किया। मैं स्कूल से आने के बाद पढ़ाई के लिए लाइब्रेरी जाती थीं। वहां स्कूल की पढ़ाई रिवीजन की, जिसका लाभ मुझे मिला। मैं कॉमर्स की छात्रा हूं। मेरा सपना सीए बनाना है। आगे मैं सी ए की पढ़ाई करूंगी। मैंने सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई की जिसकी वजह से मेरा रिजल्ट अच्छा रहा।

उपमुख्यमंत्री ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

आयुषी ने बताया रिजल्ट जारी होने के बाद शाम को उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने फोन पर वीडियो कॉन्फ्रेंस में बातचीत कर बारहवीं कॉमर्स में 96.80 प्रतिशत और प्रदेश में तीसरे स्थान प्राप्त करने के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दिया है।

दसवीं की छात्रा भी पीछे नही रही : जशपुर जिले में दसवीं, बारहवीं के बोर्ड परीक्षा में होनहार छात्र, छात्राओं ने प्रदेश में अपना परचम लहराया है। दसवीं, बारहवीं दोनों कक्षाओं का रिजल्ट बेहतर है। परिणाम के बाद छात्र छात्राओं से उनके सपने पूछें गए। इस पर दसवीं की आत्मानंद की छात्रा दिमित्रा सिंह खड़ग ने बताया मैं दसवीं में 97.83 प्रतिशत हासिल कर प्रदेश में छटवा पर हूं। आगे मैं नीट की तैयारी करूंगी। मेरा सपना डॉक्टर बनना है।

पं. प्रदीप मिश्रा की शिव महापुराण कथा कुरुद में 16 से 22 मई तक

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ की बेटी माता कौशल्या व प्रभू श्री राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ एवं माँ चण्डी की पुण्यधरा कुरुद

(धमतरी) में प्रसिद्ध अंतर्राष्ट्रीय कथावाचक भगवत भूषण भगवान शिव के अनन्य भक्त पं. प्रदीप मिश्रा जी (सीहोर वाले) के मुखारविंद से श्री शिव महापुराण की कथा अविरल प्रवाहित होगी. श्री शिव महापुराण की कथा 16 मई से 22 मई 2024 तक वृद्धि विहार भरदा चौक राजिम रोड, कुरुद में होगी. कथा का आयोजन माँ कमला देवी श्रीधर शर्मा द्वारा कराया जा रहा है.कुरुद विधायक एवं संरक्षक अजय चंद्राकर ने भेंट में बताया कि कुरुद की पावन धरा धार्मिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों से साल भर सुशोभित रहने वाली धरती है. महादेव की असीम कृपा से हमारे कुरुद में कुबेरेश्वर भंडारी का आगमन हो रहा है. श्री शिव महापुराण कथा एवं भगवत भूषण पं. प्रदीप मिश्रा जी सीहोर वाले के आगमन को लेकर कुरुद नगर सहित पुरा छत्तीसगढ़ उत्साहित है. 16 मई से 22 मई तक पूरा क्षेत्र शिवमय रहेगा. श्री शिव महापुराण कथा को सफल बनाने के लिए कथा पंडाल सहित अन्य तैयारीयां अंतिम चरण में है. चंद्राकर ने आगे बताया कि श्री शिव महापुराण कथा में शामिल होकर पुण्यलाभ प्राप्त करने के लिए प्रदेशवासियों को आमंत्रित किया।

श्री शिव महापुराण कथा समिति के प्रकाश शर्मा एवं भूपेंद्र चंद्राकर ने बताया कि प्रसिद्ध कथावाचक पं. प्रदीप मिश्रा का आगमन 15 मई को दोपहर 3 बजे कुरुद में होगा. पंडित प्रदीप मिश्रा जी का सांधा चौक से पुराना बाजार चौक चण्डी मंदिर तक शोभायात्रा व अतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत किया जाएगा. शोभायात्रा सांधा चौक से संजय नगर, कारगिल चौक, सरोजनी चौक, पुराना बाजार चौक, चण्डी मंदिर दर्शन व जलेश्वर महादेव मंदिर में पूजा अर्चना पश्चात समाप्त होगी।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का देवांगन ने किया सम्मान

नवापारा राजिम (विश्व परिवार)। 9 मई को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा के परिणाम घोषित किए गए हैं, जिसमें नवापारा नगर सहित अंचल के विभिन्न छात्रों ने प्रशंसनीय परिणाम हासिल कर अपने परिवार व समाज सहित अंचल का नाम गौरवान्वित किया है। युवा भाजपा नेता किशोर देवांगन द्वारा ऐसे सभी विद्यार्थियों से मिलकर उन्हें बधाई देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया जा रहा है।

इस दौरान किशोर, विद्यार्थियों से कह रहे हैं कि वर्तमान सफलता को बरकरार रखने की जवाबदारी उन्हीं लोगों पर है। जिस मेहनत और लगन से उन्होंने यह मुकाम पाया है, आने वाली कक्षाओं में भी उसे बरकरार रखते हुए ऐसी ही सफलता हासिल कर अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माता उन्हें बनना है। ताकि उनके परिजनों के साथ-साथ जो सपना अपने लिए उन्होंने खुद देखा है, उसे पूरा कर सकें।

इसके अलावा किशोर विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते हुए भविष्य में उन्हें जीवन के किसी भी मोड़ पर, उनकी आवश्यकता पड़ने पर हर संभव सहयोग करने का आश्वासन भी दे रहे हैं। बताना जरूरी है कि किशोर पिछले 4 वर्षों से इसी प्रकार बोर्ड परीक्षाओं में टॉप 10 में आने वालों सहित उल्लेखनीय अंक हासिल विद्यार्थियों का लगातार उत्साहवर्धन करते आये हैं।

सांसारिक मोहमाया में पड़कर भगवान को भूलना विपत्ति आने पर याद करना मानवीय स्वभाव

भागवत कथा में श्रीकृष्ण की महा रासलीला का वर्णन

कोण्डागांव (विश्व परिवार)। कालीबाड़ी मंदिर परिसर में समस्त महिला संगठन कालीबाड़ी डीएनके कोण्डागांव द्वारा 02मई से 10 मई तक प्रतिदिन संध्या 4:00 बजे से 7:30 बजे तक आयोजित नौ दिवसीय श्रीमद भागवत कथा के छटे दिन वृंदावन से धमार्चार्य कथावाचक श्री साधु बाबा हरिदास जी ने भगवान श्री कृष्ण की बाललीला नंदोत्सव राक्षसी पुतुना वध कालियादमन लीला महारास लीला आदि का वर्णन किया। उन्होंने कहा की जगत में भगवान की कृपा बिना कुछ भी संभव नहीं है। भगवान के नाम से ही सारे पाप दूर होते हैं। मानव मात्र को ही समाज में अच्छे कर्म करना चाहिए। प्राप्त ओहदा का सदुपयोग करना चाहिए व फल की कामना किए बगैर कर्म करते रहना चाहिए। अच्छे कर्म का फल हमेशा अच्छा मिलता है और बुरा कर्म का फल बुरा होता है इसलिए हमें हमेशा सत्कर्म करना चाहिए। धमार्चार्य कथावाचक श्री साधु बाबा हरिदास जी ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण जब मात्र छह दिन के थे तब राक्षसी पुतना श्री कृष्ण को मारने गोकुल पहुंची थी। कृष्ण ने पुतना का वध किया था।

श्रीकृष्ण की प्रत्येक लीला दिव्य व आध्यात्मिक थी। कथावाचक ने महारासलीला के बारे में बताया कि इसमें भगवान श्रीकृष्ण व गोपियों का रासलीला निश्चल प्रेम का प्रमाण मिलता है। शरद पूर्णिमा को रात यमुना तट पर महारास का आयोजन किया गया था जिसमें जितनी गोपी उतने कृष्ण ने महारास की थी। रासलीला में कृष्ण को छोड़कर किसी अन्य मर्द का वहां जाना निषेध था जबकि भगवान भोलेनाथ ने महिला के वेश वेष में रास का दर्शन किए थे। कथावाचक ने कहा कि हम सांसारिक मोहमाया में पड़कर भगवान को भूल जाते हैं जबकि विपत्ति आने पर भगवान को याद करते हैं। भगवान कथा को लेकर कोण्डागांव नगर व आसपास के गांवों में भक्तिमय महौल बना हुआ है।

भागवत मर्मज्ञ चित्रलेखा ने कहा- इंसान भगवान की भक्ति में भी लगाए अपना समय, नगर पालिका अध्यक्ष के निवास पर चल रही भागवत कथा भक्ति महोत्सव

सक्ती (विश्व परिवार)। शक्ति के प्रतिष्ठित वंदना ग्रुप के चैयरमेन त्रिलोकचंद जायसवाल दादू एवं नगर पालिका शक्ति की अध्यक्ष सुषमा जायसवाल के निवास पर 4 मई से प्रारंभ हुई श्रीमद् भागवत कथा भक्ति महोत्सव के चौथे दिन आज 7 मई को जहां श्री कृष्ण जन्मोत्सव का बहुत ही सुंदर प्रसंग प्रस्तुत किया गया तो वहीं भरी आंधी-तूफान के बावजूद हजारों की संख्या में श्रोता, धर्म प्रेमी डटे रहे, तथा आंधी तूफान की भयावहता के चलते अनेकों बार कथा का कार्यक्रम बाधित भी हुआ, किंतु इसके बावजूद श्रोताओं के उत्साह को देखते हुए कथा वाचक व्यास पीठ पर विराजमान भागवत मर्मज्ञ चित्रलेखा ने कहा कि मनुष्य को ईश्वर की भक्ति में भी अपना समय लगाना चाहिए, तथा आज इंसान अपने शॉर्ट नाम के चक्कर में लगा हुआ है, मनुष्य को अपने घरों में बच्चों के नाम भगवान के नाम पर तथा उसके भक्तों के नाम पर रखना चाहिए एवं नाम का जीवन में बहुत महत्व होता है, किंतु अभी की स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि लोग विदेश में जैसे दो अक्षरों के नाम देखे जाते हैं वैसे ही अपने बच्चों के नाम रखेंगे, चित्रलेखा जी ने जहां भगवान नरसिंह नाथ सहित विभिन्न प्रसंगों पर सुंदर प्रस्तुति दी तो वही कथा के आयोजक त्रिलोकचंद जायसवाल दादू एवं सुषमा जयसवाल भी आगंतुक धर्म प्रर्मियो का स्वागत कर रहे हैं, तथा पूरे कार्यक्रम स्थल को भव्य बड़े पंडाल के रूप में स्थापित किया गया है, तथा 7 मई को लगभग 10000 की संख्या में लोगों ने कथा का श्रवण किया एवं कथा श्रवण के दौरान धर्म प्रेमियों ने चित्रलेखा जी द्वारा संचालित गौ चिकित्सालय में भी अपनी ओर से सहयोग राशि प्रदान की जिसका मंच के माध्यम से सभी का आभार व्यक्त किया गया एवं सत्संग तथा कीर्तन इत्यादि के माध्यम से भी कथा में धर्म प्रेमी डटे हुए हैं तथा कथा कार्यक्रम को सफल बनाने में जायसवाल परिवार सहित शहर के सामाजिक कार्यकर्ता भी जुटे हुए हैं, शक्ति शहर में हो रहे बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर जहां आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से एवं अन्य जिलों से भी धर्म प्रेमी यहां पहुंच रहे हैं, तो वहीं आयोजक वंदना ग्रुप द्वारा भी कथा श्रवण की बहुत ही सुंदर व्यवस्था की गई है, एवं कथा स्थल में जहां साहित्य के स्टाल लगाए गए हैं तो वहीं गौ माता की सेवा के लिए चलाए जा रहे अभियान के लिए भी सहयोग की अपील की जा रही है।

भू-जल स्त्रोतों, भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग के संबंध में कलेक्टर ने की समीक्षा

धमतरी। जिले में जल संरक्षण एवं संवर्धन संरचनाओ के निर्माण और भू-जल स्त्रोंतो के वास्तविक स्थिति के आंकलन के उद्देश्य से आज कलेक्टर नम्रता गांधी ने सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड एवं एनआईटी रायपुर के विषय विशेषज्ञों की टीम के साथ में विस्तृत चर्चा की। कलेक्टोरेट के एनआईसी कक्ष में आयोजित इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव, कार्यपालन अभियंता जल संसाधन आर.एल.देव, उप संचालक कृषि मोनेश साहू, जिला खाद्य अधिकारी बसंत कोर्राम, डीआईओ उपेन्द्र सिंह चन्देल, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर बोर्ड की वैज्ञानिक प्रियंका सोनबरसे, रजनी कान्त शर्मा, मुकेश आनंद, एनआईटी रायपुर से डॉ. डी सी झारिया, डा चन्दन सिंह, डॉ प्रियंका त्रिपाठी, डॉ. मृदु साहू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने जिले के सभी भू-जल स्त्रोंतो भू भौतिकी जांच और बोरवेल डग एवं अन्य रीचार्ज स्ट्रक्चर की विस्तृत सर्वे के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही जिले की भू-जल ग्रहण क्षमता के संवर्धन हेतु आवश्यक स्ट्रक्चरो पर भी सुझाव मंगाया गया। कलेक्टर गांधी ने जिले के विभिन्न उद्योगों में कम से कम पानी का उपयोग करने के लिए आगामी दिनों में कार्यशाला आयोजित करने की बात कही। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे जिले में किसानों को अपने खेतों में पानी का सही-सही उपयोग कैसे करें इसकी जानकारी दी जाये। साथ ही विभिन्न भवनों के आसपास बने रैन वॉटर हार्वेस्टिंग को भी दुरूस्त कराने कहा, जिससे कि भू-जल स्तर में बढ़ोत्तरी हो।

कलेक्टर, सामान्य प्रेक्षक और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के समक्ष सीलबंद हुआ स्ट्रॉग रूम

बेमेतरा। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 दुर्ग संसदीय क्षेत्र अंतर्गत तीसरे अंतिम दौर का मतदान खत्म हो चुका है। ज़िले में 7 मई को लोकसभा के लिए मतदान हुआ था। बेमेतरा ज़िले की तीनों विधानसभा क्षेत्र साजा, बेमेतरा और नवागढ़ के सभी मतदान दलों की सड़क मार्ग से वापसी भी शुरू हो हुई है। कड़ी सुरक्षा के बीच देर रात्रि तक बेमेतरा ज़िले में विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग 750 और सहायक मतदान केन्द्रों की जिम्मेदार अधिकारी के साथ ईव्हीएम सह व्हीव्हीपेट मशीन जिला मुख्यालय के कृषि उपज मंडी में बने मतगणना केन्द्र के स्टांग रूम तक पहुंच गई है। मालूम हो कि ज़िले की तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए कुल 7 सहायक मतदान केंद्र मिलाकर कुल 874 मतदान केन्द्र है। बेमेतरा ज़िले में तीनों विधानसभा के 750 मतदान केंद्र है। वही साजा विधानसभा के 101 और बेमेतरा के 22 मतदान केंद्र इस प्रकार कुल 124 मतदान केंद्र दुर्ग ज़िले की धमधा तहसील में स्थित है। इनकी की आज बुधवार को ईव्हीएम सह व्हीव्हीपेट मशीन सुबह पहुँची। सामान्य प्रेक्षक एस बी शेट्टीनावर (आईएएस), कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, रणबीर शर्मा और राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों के समक्ष सभी ईव्हीएम सह व्हीव्हीपेट मशीनों को स्ट्रॉग रूम में सीलबंद कर दिया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रणबीर शर्मा ने कहा कि कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रॉग रूम में रखे इन ईव्हीएम को अब 4 जून 2024 को मतगणना वाले दिन निकाला जायेगा। मतगणना स्थल की सुरक्षा के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है। इसी के साथ जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्र की ईव्हीएम 4 जून 2024 तक के लिए बंद हो गया है। अब ये मतगणना के दिन निकलेंगी। मालूम हो कि संसदीय क्षेत्र 07 दुर्ग अन्तर्गत बेमेतरा ज़िले में तीन विधानसभा क्षेत्र 68 साजा, 69 बेमेतरा और 70 नवागढ़ सीट है। मिली जानकारी अनुसार विधानसभा क्षेत्र 68 साजा में 77.99 प्रतिशत, 69 बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र में 76.83 प्रतिशत और 70 नवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 72.04 प्रतित मतदान हुआ। यह 2019 लोकसभा निर्वाचन की तुलना में सभी विधानसभा क्षेत्र में 2 से 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

जंगो रायतार इंग्लिश मिडियम स्कूल मसोरा का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित

कोण्डागांव। जंगो रायतार समाज कल्याण समिति छत्तीसगढ़ के पंजीयन क्रमांक 5906 द्वारा संचालित जंगो रायतार इंग्लिश मिडियम स्कूल मसोरा संस्था है। वर्तमान में संस्था शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है जंगो रायततार इग्लिश मिडियम स्कुल संस्था का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को नवोदय एवं सैनिक स्कूल जैसे विद्यालयों के लिए तैयार करना, स्थानीय गोंडी भाषा का संरक्षण एवं संवर्धन करना, असहाय/अनाथ एवं गरीबों बच्चों एवं नक्सल पीड़ित बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदाय करना आदि उद्देश्यों को लेकर कार्यरत् है। इस स्कूल संस्था में अंग्रेजी भाषा के साथ गोंडी लिपि का भी अध्ययन कराया जाता है यह संस्था एक सामुदायिक संस्था है यह संस्था आदिवासी समुदाय के बुद्धिजीवियों के सहयोग एवं मार्गदर्शन से संचालित है। वर्तमान में संस्था में कुल 180 बच्चे अध्ययनरत् है। संस्था 06 वर्ष पूर्ण कर लिया है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में छठवी कक्षा में बच्चें प्रवेश करेगें।संस्था शिक्षा के क्षेत्र में कदम आगे बढ़ाते हुए ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को बेहतर से बेहत्तर अंग्रेजी माध्यम शिक्षा एवं न्यूनतम कम फीस दर में बेहत्तर शिक्षा प्राप्त करने की व्यवस्था की गई है। इस संस्था में शहरी क्षेत्र एवं ग्रमीण क्षेत्र के बच्चे प्रवेश ले रहे है। शैक्षणिक सत्र 2024-25 के नवोदय विद्यालय के चयन परीक्षा में इस संस्था के 04 बच्चों ने भाग लिया था जिसमें पीयूष भोयर ने नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा में जंगो रायतार इंग्लिश मिडियम स्कुल का परचम लहराया है।। संस्था का यह पहला प्रयास था। पहला प्रयास में संस्था यह उपलब्धि हासिल किया है।जंगो रायतार इंग्लिश मिडियम स्कुल मसोरा में अध्ययनरत् कुल 180 बच्चों का वार्षिक परीक्षा परिणाम दिनांक 06.05.2024 को मुख्यअतिथि तिरूमाल बुद्धसिंह नेताम, अध्यक्ष, गोंडवाना समाज जिला इकाई कोण्डागांव के द्वारा घोषित किया गया। कक्षा नर्सरी में नर्सरी 1. सीनु नेताम (97.6).2. रोनित मरकाम (96), 3. मोलश्री ठाकुर (94.4) रूच.त्न. में 1. केवांशी मरकाम (94.8) 2. याचना मरकाम (92.8) 3. भव्या मरकाम (92), :च.त्न. में 1. याचना भोयर (99.2), 2. प्राची उसेंडी (98.4) 3. हर्षिता मरकाम (96.8), पहली में 1. भाविका कश्यप (94.4) 2. निभा पोयाम (94.8), 3. परिधि नेताम, (91.3) दूसरी में 1. हर्षिता नेताम (86.3), 2. देविका मरकाम (77.5), 3, मधिका नेताम (74.2), तीसरी में, 1. आराध्या नेताम (91) 2. वरण्या रुद्रावेन मंडावी (90) 3. नव्या बघेल (89), चौथी में 1. ओजस्वी सोरी (86) 2. रेशमी नेताम (84) 3. अंकिता नेताम (81) पांचवी में 1.पियुष कुमार भोयर (86) 2. उन्नति मरकाम (85) 3. परमेश्वर नेताम (82)कोंडागांव वार्षिक परीक्षा परिणाम कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बुद्धसिंह नेताम, अध्यक्ष, गोंडवाना समाज समन्वय समिति जिला कोण्डागांव, बुधराम मरकाम, अध्यक्ष, जंगो रायतार शाला प्रबंधन समिति मसोरा, रमा मरकाम, प्रधानाध्यापक, जंगो रायतार इंग्लिश मिडियम स्कुल मसोरा, .बघेल, अध्यक्ष, जंगो रायतार पालक समिति मसोरा।

सांसद प्रत्याशियों के वोटो की ईवीएम मशीन प्रशासन ने की सुरक्षा बलों के हवाले, स्ट्रांग रूम हुआ सील

सक्ती। जिले में लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत 7 मई को मतदान के पश्चात स्ट्रॉन्ग रूम नंदेलीभाठा में सभी मतपेटियों के आने के बाद कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अमृत विकास तोपनो, ऑब्जर्वर असिस्टेंट सोनू कुमार, अपर कलेक्टर बीरेंद्र कुमार लकड़ा, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण सोम, एआरओ बालेश्वर राम, एआरओ के एस पैकरा, एआरओ रूपेंद्र पटेल, सहायक कोषालय अधिकारी माधुरी भारद्वाज, प्रवीण मिश्रा, दलबीर सिंह चंद्रा, रवि कुमार एवं राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज सुबह स्ट्रांग रूम को सील किया गया। स्ट्रांग रूम की कड़ी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात हैं। प्रशासन द्वारा स्ट्रांग रूम को सीसीटीवी की निगरानी में रखा गया है। जिसके लिए मॉनिटरिंग कक्ष भी बनाया गया है। स्ट्रांग रूम को सील करने के बाद चाबियो को सुरक्षित रूप से रखने के लिए जिला कोषालय के अधिकारियों को सुपुर्द किया गया है।

राष्ट्र सेविका समिति कोरबा विभाग का प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

कोरबा। राष्ट्र सेविका समिति कोरबा विभाग का 5 दिवसीय प्राथमिक प्रशिक्षण वर्ग अरदा बांकीमोंगरा में संपन्न हुआ। जिसमें जिला कोरबा, जांजगीर-चांपा एवं शक्ति की 189 सेविकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण वर्ग को सफल बनाने में 6 शिक्षिकाओं की मुख्य सहभागिता रही। इस अवसर पर भारतीय संस्कृति के अनुरूप दिनचर्या का पालन करते हुए सेविकाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के विभिन्न कार्यक्रम कराये गये। जिसमें मातृशक्ति को दण्ड एवं यष्ठी के अभ्यास, योगा, आदि का शारीरिक प्रशिक्षण कराया गया एवं विभिन्न विषयों पर प्रतिदिन विभिन्न वक्ताओं के द्वारा बौद्धिक का विषय रखा गया। राष्ट्र सेविका समिति कोरबा-विभाग का यह प्रशिक्षण वर्ग 1 मई को प्रारंभ हुआ। जिसका समापन 5 मई को हुआ। इस वर्ग में वर्गाधिकारी राष्ट्र सेविका समिति की प्रांत सह सेवा प्रमुख मंजू अजय दुबे थीं।

लोकसभा चुनाव संपन्न होते ही अब नवंबर- दिसंबर में होंगे शहरी सत्ता के चुनाव

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों के चुनाव का जल्द ही बजेगा बिगुल

सक्ती। साल 2024 के प्रारंभ में लोकसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद अब जल्द ही शहरी सत्ता के लिए संघर्ष का ऐलान होगा, तथा 4 जून को लोकसभा चुनाव के मतगणना परिणामो के आने के बाद निर्वाचन आयोग नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के चुनाव के लिए प्रक्रिया चालू कर सकती है, तथा सूत्रों की माने तो नवंबर या दिसंबर 2024 में महापौर, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं पार्षद के लिए चुनाव हो सकते है, तथा विगत साल 2018 में छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सरकार आने के बाद भूपेश बघेल ने अध्यक्ष एवं महापौर के निर्वाचन को पूर्व में होने वाली प्रत्यक्ष प्रणाली की जगह बदलकर अप्रत्यक्ष प्रणाली से कर दिया था, जिसके तहत पार्षद अध्यक्ष या महापौर चुनते थे, किंतु भारतीय जनता पार्टी ने इस प्रणाली का विरोध किया था तथा हो सकता है अब छत्तीसगढ़ में राजनैतिक परिस्थितिया बदल चुकी है राज्य में भाजपा काबिज है, एवं भारतीय जनता पार्टी अप्रत्यक्ष प्रणाली की जगह प्रत्यक्ष तरीके से चुनाव पर ज्यादा विश्वास रखती है,भाजपा का मानना है कि आम मतदाता शहरी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना वोट देगा तथा प्रत्यक्ष तरीके से होने वाले चुनाव में भाजपा को सफ्लता मिलेगी,किंतु वर्तमान में देखा जाए तो छत्तीसगढ़ में शहरी क्षेत्र में चाहे नगर निगम हो,नगर पालिका हो, या की नगर पंचायत हो भारतीय जनता पार्टी की कोई अच्छी स्थिति नहीं है, एवं लगभग स्थान पर कांग्रेस सनार्थित जनप्रतिनिधि काबिज है, तथा छत्तीसगढ़ में 2023 में विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली सफलता के बाद भाजपा ने लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के ठीक पहले अनेकों नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायत में कांग्रेस समर्थित अध्यक्षो के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाकर सत्ता पर काबिज होने का प्रयास किया, जिस पर भाजपा को कुछ स्थानों पर तो सफलता मिली, लेकिन अनेकों स्थानों पर भाजपा सफल नहीं हो पाई, तथा जिन स्थानों पर अध्यक्ष को हटाने में भाजपा ने सफलता हासिल की वहां आज पर्यंत तक महीनो बीत जाने के बावजूद भाजपा अपना अध्यक्ष मनोनीत नहीं कर पाई है, किंतु इस बार शहरी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी कोई रिस्क लेना नहीं चाहती तथा छत्तीसगढ़ की विष्णु देव सरकार द्वारा शहरी क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों के बलबूते पर भाजपा इस बार निकाय चुनाव में जबरदस्त प्रदर्शन कर सकती है, किंतु भारतीय जनता पार्टी का साल 2003 से 2018 तक तत्कालीन डॉ रमन सिंह की सरकार में नगरीय निकायों में स्थिति देखी जाए तो कोई विशेष अच्छी नहीं थी, राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद नगरीय निकायों में अधिकांशत कांग्रेस का ही कब्जा रहा है, किंतु भाजपा आखिरकार शहरी क्षेत्र में आम मतदाताओं के बीच निकाय चुनाव में अपना विश्वास क्यों नहीं बना पाती, यह तो समझ से परे है,किंतु शहरी चुनाव के लिए भाजपा को जबरदस्त मेहनत करनी होगी, तथा लोकसभा चुनाव की आचार संहिता खत्म होने के बाद हो सकता है छत्तीसगढ़ नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा नगरीय निकाय में होने वाले महापौर, अध्यक्ष एवं पार्षदों के आरक्षण की प्रक्रिया भी संपन्न कराई जाए एवं अगर छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों में महापौर-अध्यक्ष के चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से होते हैं, तो इसके लिए राज्य शासन को कैबिनेट की बैठक बुलाकर इसमें संशोधन करना होगा, तभी यह संभव होगा, किंतु अप्रत्यक्ष प्रणाली से हुए चुनाव के बाद पूरे प्रदेश में यह भी देखा गया कि नगर निगम, नगर पालिका एवं नगर पंचायत के महापौर एवं अध्यक्षों पर हमेशा तलवार लटकी रहती थी।

तिरूपति भगवान वेंकटेश्वर की मूर्ति की कुछ अनोखी बातें

मंदिर के मुख्य प्रवेश द्वार पर, दाईं ओर एक एक छडी रहती है जिसका इस्तेमाल वहां उपस्थिति वेंकटेश्वर स्वामी को हिट करने के लिए अनंतालवर के द्वारा किया जाता था। जब इस छड का इस्तेमान नन्हे बालक के रूप में वेंकटेश्वर को मारने के लिए किया गया था, तो उनकी ठोडी पर चोट लग गई थी। तब से वेंकटेश्वर को चंदन का लेप ठोडी पर लगाये जाने की शुरूआत की गई।

इस मंदिर में वेंकटेश्वर स्वामी की मूर्ति पर लगे हुए बाल उनके असली बाल हैं। ऐसा कहा जाता है कि ये बाल कभी उलझते नहीं है और हमेशा इतने ही मुलायम रहते हैं। इस मंदिर से 23 किमी दूर एक गांव स्थित है। इस गांव में सिर्फ वही लोग आ जा सकते हैं जो इस गांव के निवासी हो। इस गांव के लोग, सख्त नियमों के साथ अपना जीवन बिताते हैं। इसी गांव से भगवान वेंकटेश्वर के लिए, फूल, दूध, घी, मक्खन आदि सामग्री जाती है। वेंकटेश्वर स्वामी की स्थापना, गर्भ गुदी के मध्य में की गई है, ऐसा प्रतीत होता है। लेकिन वास्तव में, जब आप इसे बाहर से खड़े होकर देखें, तो पाएंगे कि यह मंदिर के दाईं ओर स्थित है। मूर्ति पर चढाये जाने वाले सभी फूलों और तुलसी पत्रों को भक्तों में न बांटकर, परिसर के पीछे बने पुराने कुएं में फेंक दिया जाता है। स्वामी का पिछला हिस्सा सदैव नम रहता है। अगर आप ध्यान से कान लगाकर सुनें तो आपको सागर की आवाज सुनाई देती है। गुरूवार के दिन, मंदिर में निज रूप दर्शनम् का आयोजन किया जाता है, जिसमें सफेद चंदन के पेस्ट से स्वामी को रंग दिया जाता है। जब इस लेप को हटाया जाता है तो माता लक्ष्मी के चिन्ह् बने रह जाते हैं। इन चिन्हों को मंदिर के अधिकारियों द्वारा बेच दिया जाता है। जिस प्रकार जब किसी की मृत्यु हो जाती है तो पीछे मुडकर नहीं देखा जाता है और न ही रोशनी की जाती है। उसी प्रकार, इस मंदिर के पुजारी, पूरे दिन मूर्ति के पुष्पों को पीछे फेंकते रहते हैं और उन्हें नहीं देखते हैं। मंदिर में चढाये जाने वाले फूलों को दूर स्थित एक विशेष गांव से लाया जाता है।

इस मंदिर में एक दीया कई सालों से जल रहा है किसी को नहीं ज्ञात है कि इसे कब जलाया गया था। 1800 में, इस मंदिर को कुल 12 वर्षों के लिए बंद कर दिया गया था। उस दौरान, एक राजा ने 12 लोगों को दंडस्वरूप मौत की सजा दी और मंदिर की दीवार पर लटका दिया। कहा जाता है कि उस समय विमान वेंकटेश्वर स्वामी प्रकट हुए थे।

बालाजी की मूर्ति पर पचाई कर्पूरम चढाया जाता है जो कपूर से मिलकर बना होता है। अगर इसे किसी साधारण पत्थर पर चढाया जाये, तो वह कुछ ही समय में चटक जाये, लेकिन मूर्ति पर इसका प्रभाव नगण्य रहता है। मूर्ति का तापमान 110 फारेनहाईट रहता है, जबकि इसे प्रतिदिन सुबह 4:30 बजे ही जल, दूध से स्नान करा दिया जाता है। स्नान कराने के बाद मूर्ति से पसीना आता है जिसे पोंछा जाता है।

जानिए, एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है

देवताओं के सेनापति कहे जाने वाले शिव पुत्र कार्तिकेय मोर पर सवार होकर असुरो के साथ हुए युद्ध में विजय दिलवाए थे। क्या आप जानते हैं मोर के पंख हमारे लिए कितना उपयोगी है।

मोर के पंख का उपयोग। यही मोर का पंख हमारे ज्योतिष-शास्त्र एवं वास्तु शास्त्र के द्वारा मनुष्य जीवन में कितना भाग्यशाली सिद्ध होता है कि एक मोर का पंख हमारे जीवन कि दिशा बदलने में कितना सहायक है।

इसे नित्य प्रयोग में लाने से असंभव कार्य भी संभव से होने लगते है। निम्न प्रयोगों के द्वारा आप भी शुभ मोर के पंखों से लाभ उठा सकते है। घर के दक्षिण-पूर्व कोण में लगाने से बरकत बढती है, व अचानक कष्ट नहीं आता है। यदि मोर का एक पंख किसी मंदिर में श्री राधा-कृष्ण कि मूर्ती के मुकुट में 40 दिन के लिए स्थापित कर प्रतिदिन मक्खन-मिश्री का भोग सांयकाल को लगाए, 41वें दिन उसी मोर के पंख को मंदिर से दक्षिणा-भोग दे कर घर लाकर अपने खजाने या लाकर्स में स्थापित करें। तो ऐसा माना जाता है कि धन,सुख-शान्ति कि वृद्धि हो रही है। सभी रुके हुए कार्य पूरे होंगे ।

काल-सर्प के दोष को भी दूर करने की इस मोर के पंख में अद्भुत क्षमता है। काल-सर्प वाले व्यक्ति को अपने तकिये के खौल के अंदर 7 मोर के पंख सोमवार रात्री काल में डालें तथा प्रतिदिन इसी तकिये का प्रयोग करे। और अपने बैड रूम की पश्चिम दीवार पर मोर के पंख का पंखा जिसमे कम से कम 11 मोर के पंख तो हों लगा देने से काल सर्प दोष के कारण आयी बाधा दूर होती है। बच्चा जिदी हो तो इसे छत के पंखे के पंखों पर लगा दे ताकि पंखा चलने पर मोर के पंखो की भी हवा बच्चे को लगे धीरे-धीरे हठ व जिद कम होती जायेगी। जैसे कि पहलें वर्णन किया कि मोर व सर्प में शत्रुता है अर्थात सर्प, शनि तथा राहू के संयोग से बनता है। यदि मोर का पंख घर के पूर्वी और उत्तर-पश्चिम दीवार में या अपनी जेब व डायरी में रखा हो तो राहू का दोष कभी भी नहीं परेशान करता है। तथा घर में सर्प, मच्छर, बिच्छू आदि विषेलें जंतुओं का भय नहीं रहता है। नवजात बालक के सिर की तरफ दिन-रात एक मोर का पंख चांदी के ताबीज में डाल कर रखने से बालक डरता नहीं है तथा कोई भी नजर दोष और अला-बला से बचा रहता है।

यदि शत्रु अधिक तंग कर रहें हो तो मोर के पंख पर हनुमान जी के मस्तक के सिन्दूर से मंगलवार या शनिवार रात्री में उसका नाम लिख कर अपने घर के मंदिर में रात भर रखें प्रात:काल उठकर बिना नहाये धोए चलते पानी में बहा देने से शत्रु, शत्रुता छोड कर मित्रता का व्यवहार करने लगता है।

क्यों करें, अंतिम समय में दीप दान

मृत्यु जीवन का अंतिम कटु सत्य है। मृत्यु के लिए दो कार्य आवश्यक हैं। प्रथम, मनुष्य जब पांच तत्वों अर्थात जल, वायु, आकाश, पृथ्वी व अग्नि का कर्ज चुका दे तब मृत्यु को प्राप्त होगा। दूसरा, वह स्थान, वह विधि जब स्थूल शरीर को मिल जाए, जहां मृत्यु होनी है तब मृत्यु होगी। जहां अंतिम सांस ली वह उसका मृत्यु का स्थान था। जब हम मृत पड गए शरीर को अग्नि को समर्पित करते हैं तो वह पांचों तत्वों का कर्ज चुकाता है। इसलिए ही शव को जलाने का चलन है। चिता की अग्नि में देह भस्तसात् हो जाती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। शास्त्र कहते हैं कि अंश अपनी अंशी के पास पहुंचकर ही विश्रम लेता है। इसी प्रकार चैतन्य प्राण वायु के रूप में प्रवाहित अग्नितत्व अपने उद्गम स्थल सूर्चपिंड में पहुंचकर ही विश्रम लेता है। दीपक मृतक आत्मा के पथ को प्रकाशित कर, उसे गंतव्य पर पहुंचने में सहयोग करता है। ज्योतिष की दृष्टि से कितने घंटे का एक प्रहर होता है। तीन घंटे अर्थात साढे सात घटी का एक प्रहर होता है।चौबीस घंटे में कितने प्रहर होते हैं। आठ पहर होते हैं। आठों पहरों के नाम, दिन में- पूर्वार्ध, मध्याह्, अपराह्, सायं, रात्रि में-प्रदोष, निशीथ, त्रियामा, उषा। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है। दीपदान से जीवात्मा को मुक्ति मार्ग की उपलब्धि होती है।

पूजा में तांबे के बर्तन का उपयोग क्यूं किया जाता है

आप जब भी मंदिर जाते होगें तो वहां पर मौजूद लोगों के हाथों में कभी चांदी, तांबा या स्टील के बर्तन जरुर देखते होगें। हिन्दू धर्म में सोना, चांदी और तांबे के बर्तन काफी पवित्र माने गए हैं। हिन्दू धर्म में ऐसा माना गया है कि ये धातुएं कभी अपवित्र नहीं होती है। पूजा में इन्ही धातुओं के यंत्र भी उपयोग में लाए जाते हैं क्योंकि इन से यंत्र को सिद्धि प्राप्त होती है। वहीं दूसरी जगह अगर देखा जाए तो लोहा, स्टील और एल्यूमीनियम के धातु अपवित्र माने जाते हैं। अगर आप स्टील की प्लेट का इस्तमाल पूजा के लिये करते हैं, तो इनका प्रयोग तुरंत ही बंद कर दें क्योंकि यह धातु पूरी तरह से अपवित्र माने जाते हैं और धार्मिक क्रियाकलापों में इन धातुओं के बर्तनों के उपयोग की मनाही की गई है।

इन धातुओं की मूर्तियां भी नहीं बनाई जाती। लोहे में हवा पानी से जंग लगता है। एल्यूमीनियम से भी कालिख निकलती है। इसलिए इन्हें अपवित्र कहा गया है। जंग आदि शरीर में जाने पर घातक बीमारियों को जन्म देते हैं। इसलिए लोहा, एल्युमीनियम और स्टील को पूजा में निषेध माना गया है। पूजा में सोने, चांदी, पीतल, तांबे के बर्तनों का उपयोग करना चाहिए। हिंदू धर्म में नारियल का महत्व अगर आपके लिये सोने और चांदी के बर्तन महंगे हैं, तो आप तांबा का प्रयोग कर सकते हैं। यह उनके तुलना में सस्ता है और मंगल कार्य हेतु बहुत ही अच्छा धातु है। माना जाता है कि तांबे के बर्तन का पानी पीने से खून साफहोता है। इसलिए जब पूजा में आचमन किया जाता है तो अचमनी तांबे की ही रखी जानी चाहिए क्योंकि पूजा के पहले पवित्र क्रिया के अंतर्गत हम जब तीन बार आचमन करते हैं तो उस जल से कई तरह के रोग दूर होते हैं और रक्त प्रवाह बढता है। इससे पूजा में मन लगता है और एकाग्रता बढती है।

नटराज: कहानी नृत्य करते शिव की

नटराज एक बहुत ही प्रसिद्ध नाचते हुए देवता की मूर्ती है। जिन्हें नृत्य का शौक होता है वे अपने सामने नटराज जी की मूर्ती रखते हैं और उन्हें प्रणाम कर के ही अपना नृत्य शुरु करते हैं। यह नटराज भगवान दरअसल शिव जी का स्वरूप हैं। नटराज शिवजी का एक नाम है उस रूप में जिस में वह सबसे उत्तम नर्तक हैं। नटराज दो शब्दों से मिल कर बना है- नट अथार्त कला और राज का अर्थ है राजा। शिव का तांडव नृत्य प्रसिद्ध है। भगवान शिव को आमतौर पर विनश के साथ जोडा जाता है और हमेशा उन्हें गुस्से में ही दिखाया गया है। लेकिन बहुत ही कम लोग यह जानते हैं कि शिव जी को संगीत और नृत्य से कितना ज्यादा प्यार था। नटराज अवतार एक संदेश था कि अज्ञानता को केवल ज्ञान, संगीत और नृत्य ही दूर कर सकता है। शिव के तांडव के दो स्वरूप हैं। पहला उनके क्रोध को दिखाता है और दूसरा आनंदरप्रदान करने वाला तांडव। प्राचीन आचार्यों के मतानुसार शिव के आनन्द तांडव से ही सृष्टी अस्तित्व में आती है तथा उनके रौद्र तांडव में सृष्टी का विलय हो जाता है। शिव कानटराज स्वरूप भी उनके अन्य स्वरूपों की ही भातिं मनमोहक तथा उसकी अनेक व्याख्यायँ हैं। आइये दर्शन करते हैं भारत के प्रसिद्ध शिव मंदिरों के नटराज शिव की प्रसिद्ध प्राचीन मुर्ति के चार भुजाएं हैं, उनके चारो ओरअग्नि के घेरें हैं। उन्होंने अपने एक पांव से एक बौने को दबा रखा है तथा दूसरे पांव से नृत्य मुद्रा में उपर की ओर उठा है। उन्होने अपने पहले दाहिने हाथ में डमरू पकडा है। डमरू की आवाज सृजन का प्रतीक है। ऊपर की ओर उठे हुए उनके दूसरे हाथ में आग है जो कि विनाश का प्रतीक है। उनका दुसरा दाहिना हाँथ अभय (या आशिस) मुद्रा में उठा हुआ है जो कि हमें बुराईयों से रक्षा करता है। नटराज का जो पांव उठा हुआ है वह मोक्ष दर्शाता है। इसका अर्थ यह है कि शिव मोक्ष के मार्ग का सुझाव करते हैं। कहा जाता है कि शिव के चरणों में मोक्ष है। जो बौना शिव के पैरों तले दबा हुआ है वह अज्ञान का प्रतीक है। शिव जी अज्ञान का विनाश करते हैं।

क्या कोई वस्तु शुभ या अशुभ होता है या ये अंधविश्वास है

कोई वस्तु शुभ या अशुभ नहीं होती ,शुभ-अशुभ के अंधविश्वास से निकलकर हमें हर वस्तु की उपयोगिता परखनी चाहिए बचपन से हम सुनते आए हैं कि घर में अमुक वस्तुएं रखना शुभ होता है और अमुक रखना अशुभ होता है। किसी चीज से घर के सदस्यों के बीच में प्यार बढने का दावा किया जाता है तो किसी चीज से तकरार बढने का। किसी से घर में सुख-समृद्धि का आगमन बताया जाता है तो किसी से अभाव का। लेकिन सही बात यह है कि ये बातें सिर्फ अंधविश्वास हैं, क्योंकि इन बातों में तार्किकता का अभाव है। वास्तव में कोई भी चीज शुभ या अशुभ नहीं होती। किसी भी वस्तु को शुभ या अशुभ बनाता है उसका उपयोग। सीधी-सी बात है कि यदि किसी वस्तु के इस्तेमाल का परिणाम अच्छा है, तो वह वस्तु शुभ और परिणाम अच्छा नहीं है तो अशुभ होगी। चाकू को ही लीजिए। घर में रोजमर्रा के कामों में उसकी उपयोगिता व महत्व को नकारा नहीं जा सकता। एक सर्जन सर्जिकल नाइफ से ही ऑपरेशन कर मरीज की जान बचाता है। अत: एक डॉक्टर के हाथ का चाकू उपयोगी व अनिवार्य होने के कारण वह चाकू शुभ ही माना जाएगा, लेकिन यदि किसी चाकू का इस्तेमाल किसी व्यक्ति की हत्या करने जैसे कार्य के लिए किया जाता है, तो वह चाकू का दुरुपयोग है। अत: वह चाकू अशुभ माना जाना चाहिए। किसी चीज का सदुपयोग अथवा दुरुपयोग ही उसे शुभ या अशुभ बनाता है।

शुभ या अशुभ का आधार इस्तेमाल की जाने वाली चीज की उपयागिता भी हो सकता है। जिस वस्तु का कोई उपयोग ही न हो वह कैसी शुभ या अशुभ हां, कुछ कलाकृतियां हो सकती हैं, जिनका वैसे तो कोई उपयोग नहीं होता, लेकिन कला की दृष्टि से वे मूल्यवान हो सकती हैं। लेकिन कोई भी कलाकृति सुंदर या आकर्षक अथवा बहुमूल्य या अल्पमूल्य हो सकती है, शुभ या अशुभ नहीं। एक व्यक्ति बाजार में घूम-घूम कर एक मूर्ति बेच रहा था और कह रहा था कि यह मूर्ति स्वयं जमीन से प्रकट हुई है और बहुत शुभ है। जो भी इसे अपने घर में स्थापित करेगा, उसके घर में हर प्रकार की समृद्धि में वृद्धि होगी। एक व्यक्ति ने उस मूर्ति के दाम पूछे। बेचने वाले ने कहा, 'दस हजार रुपये।' पूछने वाले ने कहा, 'ऐसी मूर्तियां तो एक हजार रुपये में मिल जाती हैं, दस गुने दाम मैं क्यों दूं जहां तक समृद्धि की बात है तो आप स्वयं क्यों नहीं इसे अपने घर में स्थापित कर लेते यहां सडकों पर क्यों मारे-मारे फिर रहे हैं और लोगों को ठग रहे हैं। हमें शुभ-अशुभ के चक्रमें मूर्ख नहीं बनना चाहिए। अपनी व्यावहारिक बुद्धि का इस्तेमाल करके चीजों की उपयोगिता पर भी विचार अवश्य कर लेना चाहिए।

मां कात्यायनी के ध्यान मात्र से मिलता है अर्थ व मोक्ष का वरदान

नवरात्रि के छठें दिन मां कात्यायनी देवी को पूजा की जाती है। इनकी कृपा से सारे कार्य पूरे हो जाते हैं। वे बैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट हुई थीं। भगवान कृष्ण को पति रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा की थी। यह पूजा कालिंदी यमुना के तट पर की गई थी।

अत: ये ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यान ने भगवती पराम्बा की कठिन उपासना की थी। ऋर्षि की इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए देवी कात्यायनी कहलाईं। मां के दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभय मुद्रा में हैं तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में है। मां के बाईं तरफऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल है। मां का वाहन सिंह है।

फल की प्राप्ति इनकी उपासना से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। लोगों का रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाता है। इस देवी की उपासना करने से परम पद की प्राप्ति होती है।

बिना गुरु अवतार भी नहीं हुए पार

भारतीय संस्कृति में कहा गया है कि ब्रहमा और शंकर जैसा व्यक्ति भी गुरु के बिना संसार से पार नहीं उतर सकता है। गुरु की महत्ता को ही समर्पित दिन है गुरु पूर्णिमा। अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को आलोकित करने का अवसर। इस वर्ष गुरु पूर्णिमा, 31 जुलाई के दिन है। गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है, 'गुरु बिनु भवनिधि तरइ न कोई/ जो बिरंचि संकर सम होई।' भले ही कोई व्यक्ति ब्रहमा और शंकर के समान क्यों न हो वह गुरु बिना भवसागर से पार नहीं उतर सकता है। गुरु को भारतीय संस्कृति में अहम पद प्रदान किया गया है और उन्हीं गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का अवसर लाती है गुरु पूर्णिमा। आषाढ मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहा जाता है। यह दिन गुरुओं की महत्ता रेखांकित करता है। पूरे भारत में इस दिन लोग अपने-अपने गुरुओं के दर्शन कर जीवन को धन्य करते हैं, नई राह पाते हैं। कई श्रद्धालु इस दिन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करते हैं। ब्रज में इस दिन को 'मुडिया पूनो' कहा जाता है। गुरु पूर्णिमा का यह दिन महाभारत को रचने वाले कृष्ण द्वैपायन व्यास का जन्म दिवस भी है। उन्होंने चारों वेद रचे। वेदों की रचना करने के कारण वे वेद व्यास कहलाए। वे वेदों की रचना कर आदि गुरु कहलाए और उनके प्रति आदर के कारण ही गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है। इस तरह गुरु पूर्णिमा का दिन जीवन को प्रकाश से आलोकित करने वाले गुरु के प्रति आभार की अभिव्यक्ति का दिन है। भारत भूमि पर जितने भी अवतार अवतरित हुए उनके गुरु भी हुए हैं। श्रीराम के गुरु वशिष्ठ थे तो श्रीकृष्ण के सांदीपनी। तात्पर्य यही है गुरु होना जरूरी है। गुरु के बिना जीवन का उद्धार नहीं है। गुरु बनाने का एक दार्शनिक तात्पर्य हमारे यहां यह भी बताया गया है कि हमें हर किसी से सीखने का प्रयास करना चाहिए। यदि हमारे भीतर गुरु बनाने या सीखने का भाव नहीं है तो हमारी उन्नति अवरुद्ध हो सकती है। दत्तात्रेय ने चौबीस गुरु बनाए थे और उन्हें गुरुओं के गुरु भी कहा जाता है। वे जहां-जहां गए वहां जो भी मिला उससे सीखते गए और इस तरह वे गुरुओं के भी गुरु कहलाए। गुरु पूर्णिमा बताती है कि हम जीवन में बडों और छोटों से भी सीखने का प्रयास करें। गुरु महिमा का बखान हनुमान चालीसा में भी प्राप्त होता है जहां कवि तुलसीदास जी ने लिखा है 'कृपा करौ गुरुदेव की नाईं।' अर्थ यह है कि हे नाथ, मुझ गुरु समान कृपा कीजिए। हनुमानजी से यह प्रार्थना है कि वे गुरु भाव से हमें शरण में लें और हमारी चेतना को प्रखर बनाएं।

दुविधा में गुरु का सहारा गुरु को भारतीय संस्कृति में ऐसे आश्रय के तौर पर देखा गया है जो विपरीत या कठिन परिस्थितियों में हमारा मार्गदर्शन करता है। कुरुक्षेत्र में जब अर्जुन किंकर्तव्यविमूढ हो गया तो श्रीकृष्ण ने गुरु रूप में उसका मार्गदर्शन किया। उसे जीवन के सार से अवगत कराया। अर्जुन गुरु द्रोण से शस्त्र विद्या में पारंगत हुआ था लेकिन जब जीवन समर में अपनों से युद्ध की दुविधा सामने आई तो अर्जुन ठिठक गया और तब गुरु रूपी श्रीकृष्ण ने उसकी शंकाओं का समाधान किया। हमें भी जीवन में जब कभी शंकाएं घेरती हैं तो हमें गुरु ही मार्ग दिखाते हैं इसलिए गुरु की महत्ता है। हमारी समस्याओं का समाधान गुरु के पास होता है। क्या करें गुरु पूर्णिमा पर जिन्हें आपने अपना गुरु माना है उनके दर्शन करें और आशीर्वाद प्राप्त करें। हिन्दू शास्त्रों में आदि शंकराचार्य को जगतगुरु माना गया है तो उनकी पूजा इस दिन की जाना चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dvpnews.in
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 11 मई 2024

जबलपुर-दुर्ग-जबलपुर समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन अपरिहार्य कारणों से रद्द

रायपुर (विश्व परिवार)। पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा अपरिहार्य कारणों से जबलपुर से 20 मई से 17 जून 2024 तक (05 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर-दुर्ग साप्ताहिक समर स्पेशल एवं दुर्ग से 21 मई से 18 जून 2024 तक (05 फेरे) चलने वाली गाड़ी संख्या 01702 दुर्ग-जबलपुर साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन का परिचालन रद्द करने का निर्णय लिया गया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि असुविधा से बचने के लिए रेलवे द्वारा अधिकृत रेलवे पूछताछ सेवा एनटीईएस/रेल मदद 139 से गाड़ी की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त कर यात्रा करें।

संक्षिप्त समाचार

मयंक रायकवार ने 10वीं बोर्ड परीक्षा में प्राप्त किए 90 प्रतिशत अंक

रायपुर (विश्व परिवार)। उरला, रायपुर निवासी श्री राजेंद्र कुमार-श्रीमती भावना रायकवार के सुपुत्र तथा रायपुर पब्लिक स्कूल के

होनहार छात्र मयंक रायकवार ने 10वीं छत्तीसगढ़ बोर्ड मैं अद्भुत सफलता हासिल करते हुए सभी विषयों में सम्माननीय अंक प्राप्त किए है। मयंक ने इंग्लिश में 86, हिंदी में 93, संस्कृत में 90, मैथमेटिक्स में 95, साइंस में 83, सोशल साइंस में 87 अंक प्राप्त किए। मेधावी छात्र मयंक रायकवार की इस उपलब्धि पर अनके स्कूल प्रबंधन, परिजनों एवं मित्रों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। ज्ञात है कि गुरुवार को छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकंडरी परीक्षा के रिजल्टस की घोषणा हुई, जिसमें मयंक रायकवार ने अपने विद्यालय में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करके विद्यालय, परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया है।

एएसबीसी एशियन अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप में द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर की बॉक्सिंग खिलाड़ी पूनम ने स्वर्ण पदक जीता

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी पूनम ने फिर अपने देश का परचम पूरे

विश्व में लहराया है। 27 अप्रैल से 07 मई 2024 तक कजाकिस्तान के अस्ताना में आयोजित एएसबीसी एशियन अंडर-22 और यूथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत देश का प्रतिनिधित्व करते हुए पूनम ने स्वर्ण पदक हासिल किया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी पूनम दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय, बिलासपुर के अकाउंट विभाग में अकाउंट असिस्टेंट के पद पर कार्यरत है। इससे पहले भी पूनम कई बार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के बॉक्सिंग प्रतियोगिताओं में देश एवं भारतीय रेलवे का परचम लहरा चुकी है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हमेशा से खेल एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा है। इसी का परिणाम है कि आज विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ी देश एवं भारतीय रेलवे के साथ ही साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का भी नाम रोशन कर रहे है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की महिला बॉक्सिंग खिलाड़ी पूनम को अंतराष्ट्रीय स्तर की बॉक्सिंग प्रतियोगिता में उनके शानदार प्रदर्शन एवं उपलब्धि पर महाप्रबंधक द्वारा बधाई दी गई है तथा भविष्य में और भी बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

अक्षय तृतीया पर टैगोर नगर दि. जैन मंदिर ने मनाया 25वॉं स्थापना दिवस, किया समाज के वरिष्ठ बुजुर्गों का सम्मान

रायपुर (विश्व परिवार)। अक्षय तृतीय के महापर्व और भारत वर्ष में आदिनाथ पारणा दिवस के रूप में दिंगबर जैन संप्रदाय मनाता है इस दिन सभी दिगंबर जैन मंदिरों तरह तरह के आयोजन किए जाते है हमारा परम सौभाग्य का है कि आज दिनांक 10 मई 2024 अक्षय तृतीया के महापर्व पर राजधानी रायपुर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर टैगोर नगर के रजत स्थापना दिवस श्री मंदिर जी के 25 वर्ष स्थापना के पूर्ण होने पर मनाया जा रहा है।समिति के उपाध्यक्ष नवीन जैन मोदी ने बताया कि आज अक्षय तृतीय के दिन ही पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर टैगोर नगर का निर्माण कार्य पूर्ण होकर चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान को विराजमान किया गया था। जिसमे समाज के सभी वर्ग के लोगो ने तन मन धन से बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेकर अपना अपना सहयोग प्रदान किया था।

आज श्री मंदिर जी के गौरवपूर्ण 25 वें स्थापना दिवस पर होने के उपलक्ष्य में सुबह 7:00 बजे मूल नायक पार्श्वनाथ भगवान एवं सभी चल मूर्तियों को पांडुशिला में विराज मान कर प्रसूक जल से स्वर्ण कलशों व्दारा अभिषेक एवं रिद्धि सिद्धि सुख शांति प्रदाता शांति धारा की गई। आज की प्रथम अभिषेक एवं शांति धारा का सौभाग्य श्रीमान सुरेश चंद जी संजय कुमार अजय कुमार जैन जेनसन परिवार को प्राप्त हुआ।

साथ ही संगीतमय आरती तथा नित्यमह पूजन किया गया। इसके पश्चात श्री शांतिनाथ विधान का भी आयोजन मंदिर जी में किया गया।सुबह 10:00 बजे से श्री संत भवन में टैगोर नगर मंदिर समाज के वरिष्ठ सभी बुजुर्ग जनों का आत्मीय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमे टैगोर नगर मंदिर परिवार संस्थापक सदस्य श्री सुरेश चंद जी जैन श्री जीवनलाल जी जैन श्री राजकुमार जी जैन श्री शरद कुमार जी जैन एवं स्वर्गीय प्रेमचंद जी गुरहा स्वर्गीय प्रफुल्ल कुमार जैन एवं स्वर्गीय रमेश चंद जी जैन और समाज के सभी बुजुर्गजनों का आत्मीय सम्मान शाल श्री फल स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर टैगोर नगर मंदिर के अध्यक्ष राजेश जैन, सचिव प्रियांक जैन, कोषाध्यक्ष संदीप उपाध्यक्ष नवीन मोदी, सहसचिव सुबोध जैन, कार्यकारिणी सदस्य रजनीश जैन, पुष्पेंद्र जैन के साथ अजय जैनश्री भागचंद जैन श्री सुमत जैन यशोधर सिंघाई श्री स्वस्तिक जी श्री आरके जैन श्री उदय चंद जैन श्री निर्मल जैन श्री अरूण जैन डॉ.भागचंद जैन श्रीमती राजेश गुरहा श्रीमती विमला देवी श्री वैभव जैन एवं टैगोर नगर महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कंचन जैन सचिन श्रीमती कविता मोदी कोषाध्यक्ष प्रीति जैन उपस्थित थी। **-प्रणीत जैन**

बड़े मंदिर मंदिर में मूलनायक आदिनाथ भगवान का स्वर्ण कलशों से किया अभिषेक

जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर, रायपुर राजधानी के बड़े मंदिर के बड़े बाबा देवाधिदेव मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान का पारणा महोत्सव अक्षय तृतीया 10/05/2024 शुक्रवार को बड़े धूमधाम से मनाया गया। कमेटी के अध्यक्ष संजय नायक जैन ने बताया की मुख्य कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रातः 7.30 बजे से मूलनायक 1008 श्री आदिनाथ भगवान की चल प्रतिमा का स्वर्ण कलशों से अभिषेक शांतिधारा कर पूजन किया गया।आज की चमत्कारिक सुख शांति प्रदाता शांतिधारा करने का सौभाग्य श्री भरत जैन ट्रस्टी महोदय बंशीलाल जी हर्ष प्रिंस जैन भोरावत परिवार को मिला। आज सार्वजनिक रूप से गन्ने के रस का वितरण किया गया। आज गन्ने के रस के लाभार्थी श्रीमान सनत कुमार जैन ट्रस्टी महोदय परिवार रहे। रात्रि में 8 बजे से महिला द्वारा 48 दीपकों से भक्ति आराधना की गई जिसमे बड़ी संख्या में धर्म प्रेमी बंधु एवं महिलाए उपस्थित थी।आज विशेष रूप से अध्यक्ष संजय जैन नायक, सचिव राजेश रज्जन जैन, उपाध्यक्ष श्रेयश जैन बालू, संजय जैन सतना वाले, सनत जैन चूड़ी वाले, राजीव जैन कोटा, प्रवीण जैन मामा जी, राकेश जैन, आनंद जैन पूर्वा ग्राफिक, प्रणीत जैन उपस्थित थे।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर फाफाडीह में अक्षय तृतीया के दिन शांतिधारा

रायपुर (विश्व परिवार)। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर आज श्री दिगम्बर जैन मंदिर फाफाडीह में आदि ब्रम्हा प्रथम तीर्थंकर 1008 आदिनाथ भगवान के शांतिधारा का सौभाग्य स्थानीय सदस्य अरविंद कुमार अजय कुमार अभय, चिनार, आरव पहाड़िया परिवार को प्राप्त हुआ, साथ ही 16 दिन के पखवाड़े में 105 आर्यिका गणिनी सौभाग्यमति माताजी के ससंघ सानिध्य में 16 दिवसीय शांति विधान में भी पहाड़िया परिवार को सौधर्म इंद्र के रूप में पूजा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, इस अवसर पर परिवार के अरविंद, सुशीला, अजय, बबिता, निर्मला, अभय, चिनार, आरव पहाड़िया ने बड़े भक्तिभाव से अभिषेक, शांतिधारा व विधान की पूजा सम्पन्न कर अपने सौभाग्य को सराहा।

शिवनाथ हुंडई ने सर्विस हेड्स मीट में प्रतिष्ठित 2024 पुरस्कार जीते

रायपुर (विश्व परिवार)। विगत दिनों दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय सेवा प्रमुखों की बैठक के दौरान, शिवनाथ हुंडई को समग्र सेवा चैंपियन एवं अल्प ग्राहक शिकायतों में सर्वश्रेष्ठ अवार्ड से सम्मानित किया गया। शिवनाथ हुंडई छत्तीसगढ़ का सबसे बड़ा और सबसे पुराना हुंडई कार डीलरशिप समूह है। शिवनाथ हुंडई टीम के लिए पूरे भारत में शीर्ष डीलरशिप के बीच खड़ा होने का एक शानदार अवसर है। शिवनाथ हुंडई के प्रबंध निदेशक श्री रोहित काले का कहना है कि ये पुरस्कार हमारे सम्मानित ग्राहकों की वफादारी तथा स्नेह को दर्शाते हैं और मैं अपने सभी ग्राहकों का बहुत आभारी हूं और हम एक टीम के रूप में ग्राहकों के अनुभव को अगले स्तर तक ले जाने का प्रयास करते रहेंगे।

सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के समुचित विश्लेषण करने श्रीमती नेहा चंपावत भापुसे पुलिस महानिरीक्षक (यातायात) की अध्यक्षता में वर्चुअल समीक्षा बैठक संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। सड़क दुर्घटनाओं के कारणों के समुचित विश्लेषण तथा आवश्यक सुधार कार्यो हेतु इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डाटाबेस (iRAD) में सड़क दुर्घटनाओं की शत-प्रतिशत प्रविष्टियां अंकित करने तथा हिट एण्ड रन के क्षतिपूर्ति प्रकरणों को निर्धारित समयावधि में दावा प्राधिकरण को प्रेषित कर प्रभावितों को यथाशीघ्र राहत हेतु पहल करने तथा राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण के उपायों के संबंध में श्रीमती नेहा चंपावत भा.पु.से. पुलिस महानिरीक्षक (यातायात) की अध्यक्षता में वर्चुअल समीक्षा बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में ए.आई.जी. ट्रैफिक संजय शर्मा सहित प्रदेश में यातायात के समस्त अति. पुलिस अधीक्षक/उप पुलिस अधीक्षक, प्रभारी यातायात गण/पर्यवेक्षण अधिकारी सम्मिलित हुए।

बैठक में अवगत कराया गया कि भारत सरकार के 03 नवीन कानून भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023, के प्रावधानों के संबंध में यथाशीघ्र प्रशिक्षण के साथ-साथ नवीन नियमों के अनुसार पुलिस विभाग के विवेचक अधिकारियों को सड़क दुर्घटना स्थल में जाकर ऑनलाईन (लाईव लोकेशन, अक्षांश व देशांश सहित) प्रविष्टियां अंकन सुनिश्चित किया जाना है।

ए.आई.जी. ट्रैफिक संजय शर्मा द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश के सभी जिलों में वर्ष 2023 में एवं 2024 (जनवरी से अप्रैल तक) घटित सड़क दुर्घटनाओं के आधार पर जिला दंतेवाड़ा, धमतरी, कांकेर, रायगढ, बलौदाबाजार, सारंगढ़ बिलाईगढ में पुलिस विभाग द्वारा इंटीग्रेटेड रोड़ एक्सीडेंट डाटाबेस (द्वक्र्रष्ठ) में शत प्रतिशत प्रविष्टि की गई है, बैठक में इन जिलों के संबंधितों की सराहना की गई तथा शेष जिलों को लंबित प्रविष्टियां यथाशीघ्र पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मृतक के आश्रितों को 2 लाख तथा घायलों को 50 हजार रूपए मुआवजें के प्रावधान का लाभ प्रभावितों को यथासमय मिलने हेतु किये जाने वाले पहल/शासन के नियमों की जानकारी साझा कर समय-सीमा में हिट एण्ड रन के क्षतिपूर्ति प्रकरणों को प्रतिवेदन(सभी सुसंगत दस्तावेजों के साथ) दावा जांच अधिकारी को राहत प्रकरण प्रेषण सुनिश्चित किया जाय।

गत वर्ष 2023 (जनवरी से अप्रैल) की तुलना में वर्ष 2024 (जनवरी से अप्रैल) में जिला महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी, बेमेतरा, राजनादगांव, जाजगीर चांपा, बस्तर, कांकेर, सुकमा, बीजापुर, सारंगढ़, सक्ती में यद्यपि सड़क दुर्घटनाओं में कमी आई है तथापि अन्य जिलों के साथ राज्य में इस वर्ष माह अप्रैल तक 5042 सड़क दुर्घटनाओं में 2303 मृत्यु एवं 4371 घायलों के साथ दुर्घटनाओं में 4.67 प्रतिशत एवं मृत्युदर में 2.45 प्रतिशत की वृद्धि चिंताजनक है। लगातार जन जागरूकता कार्यक्रमों के साथ गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में यातायात नियमों के उल्लंघनकर्ता वाहन चालको के विरूद्ध 6, 15, 837 प्रकरणों में से राशि 25, 98, 54, 747/-रू. वसूल किया गया है। बैठक में निर्देशित किया गया कि नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों को निरूत्साहित किया जाकर प्रभावी समझाईश के साथ नियमित प्रवर्तन से जीवन रक्षा के प्रयास किये जाय।

ऑल इंडिया सॉफ्टबॉल चैंपियनशिप में बीजापुर के दो खिलाड़ियों का चयन

बीजापुर (आरएनएस)। उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित होने वाली ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता में बीजापुर जिले के दो सॉफ्टबॉल खिलाड़ियों का चयन शहीद महेंद्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर की टीम से हुआ है। उक्त प्रतियोगिता कर्नाटक के बेंगलुरु में 13 से 18 मई तक आयोजित होगी। जिसमें बीजापुर जिले के शासकीय वेंकटराव कॉलेज के दो खिलाड़ी राकेश पुनेम फाइनल ईयर वही कुलदीप वाचाम फर्स्ट ईयर बस्तर यूनिवर्सिटी की टीम से खेलेंगे।

ज्ञात हो कि पहली बार बस्तर यूनिवर्सिटी की सॉफ्टबॉल टीम यूनिवर्सिटी गेम्स में खेलने जाएंगे, वहीं दोनों खिलाड़ियों को जिला के कलेक्टर अनुराग पांडेय और जिला पंचायत सीईओ हेमंत रमेश नंदनवार प्रभारी खेल अधिकारी कॉलेज के प्राचार्य खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाइयां दी है। बीजापुर स्पोर्ट्स अकादमी के अंतरराष्ट्रीय कोच सोपान कर्णेवार भी मौजूद थे।

एनआईटी रायपुर, यूनिसेफ और कॉरपोरेट्स ने नज समिट 2.0 में सामाजिक परिवर्तन को आगे बढ़ाने मिलाया हाथ

रायपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर और यूनिसेफ ने संयुक्त रूप से 10 मई 2024 को छत्तीसगढ़ नज समिट 2.0 की मेजबानी की। अब छत्तीसगढ़ के प्रमुख कॉर्पोरेट घराने राज्य में सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए साथ काम करेंगे। इन कंपनियों से कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) फंड के तहत मिली राशि का उपयोग कुपोषण, एनीमिया और बाल मृत्यु दर को कम करने के साथ-साथ परिवारों और समुदायों के बीच महत्वपूर्ण व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने में सरकार को समर्थन देने के लिए किया जाएगा। कॉरपोरेट्स, यूनिसेफ और एनआईटी रायपुर की संयुक्त पहल के रूप में आज यहां भारत में अपनी तरह का पहला एक अभिनव मंच, थिंक-सो लॉन्च किया गया।

इस फोरम का उद्देश्य ज्ञान साझा करने की सुविधा बढ़ाना, सर्वोत्तम प्रथाओं को बढ़ावा देना, सक्रिय कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) निकायों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना और बुनियादी ढांचे से परे उत्तम समाधान बनाने के लिए कार्यक्रमों की योजना बना के सकारात्मक सामाजिक प्रभाव को बढ़ावा देना है।

बीआईयू नोडल इंचार्ज डॉ. गोवर्धन भट्ट ने यूनिसेफ के साथ 2015 से एन आई टी रायपुर की साझेदारी, नज समिट और बीआईयू की उत्पत्ति पर बात करते हुए सभी उपस्थित लोगों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्य अतिथि आनंद शेखर, अतिरिक्त निदेशक, नीति आयोग ने कहा, यह एक अभूतपूर्व समय है जब भारत में आम नागरिक के विकास के लिए उच्च स्तर की इच्छाशक्ति है, जहां समुदाय का विकास सर्वोपरि है। उन्होंने लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए नागरिक समाजों, सरकार और शिक्षा जगत के बीच उत्तम तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया।

छत्तीसगढ़ में यूनिसेफ के प्रमुख जॉब जकारिया ने कहा कि कॉर्पोरेट घराने समुदाय में व्यवहार परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। छत्तीसगढ़ में सीएसआर फंड प्रति वर्ष लगभग 1000 करोड़ रुपये है। यदि इस निधि का एक हिस्सा व्यवहार परिवर्तन और सामुदायिक सहभागिता के लिए उपयोग किया जाता है, तो राज्य में कुपोषण, एनीमिया और बाल मृत्यु दर में काफी कमी आएगी। यह स्तनपान, साबुन से हाथ धोना, पूर्ण टीकाकरण और सुरक्षित पानी के उपयोग जैसे प्रमुख व्यवहारों को भी बढ़ावा देगा।

एनआईटी के निदेशक डॉ. एन वी रमना राव ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें उन क्षेत्रों और जरूरतों को साझा करने के लिए आमंत्रित किया जहां प्रौद्योगिकी सामाजिक परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

एक दिवसीय कार्यक्रम में विभिन्न कॉरपोरेट्स, एन जी ओ, सिविल सोसायटी, शिक्षाविदों और विकास पेशेवरों के 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्र्म उच्च गुणवत्ता वाले सत्रों और वेदांता समूह, हीरा समूह, अल्ट्राटेक, आईबी समूह, जिंदल जैसे कॉर्पोरेट कंपनियों और व्यवहार परिवर्तन पर केंद्रित प्रमुख गैर सरकारी संगठनों के अनुभव-साझाकरण से पूर्ण रहा।

एनपीए घटने से इंडियन ओवरसीज बैंक की शुद्ध आय बढ़कर रिकॉर्ड 808 करोड़ रुपये हुई

रायपुर (विश्व परिवार)। संपत्ति की गुणवत्ता में बड़े पैमाने पर सुधार से सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी चेन्नई मुख्यालय) को गुरुवार को मार्च तिमाही में रिकॉर्ड 808 करोड़ रुपये की शुद्ध आय दर्ज करने में मदद मिली, जो कि एक साल पहले की अवधि में 650 करोड़ रुपये थी, जो अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

इसी तरह, बैंक ने वित्त वर्ष 2024 के लिए अपनी अब तक की सबसे अधिक वार्षिक आय 2, 656 करोड़ रुपये दर्ज की, जो वित्त वर्ष 23 में 2, 099 करोड़ रुपये थी।

कुल मिलाकर समीक्षाधीन अवधि में इसके खराब ऋण का परिमाण आधे से अधिक हो गया है, जिससे प्रावधान कम हो गए हैं; दूसरी ओर, बैंक ने रिकॉर्ड वसूली भी की, वह भी बट्टे खाते में डाले गए खातों से, जिसके कारण पहले किए गए प्रावधानों को वापस लिखना पड़ा।

आईओबी के सीईओ अजय कुमार श्रीवास्तव ने संख्याओं के स्वस्थ सेट को फिसलन पर असाधारण नियंत्रण के लिए जिम्मेदार ठहराया, तिमाही में केवल 1, 517 करोड़ रुपये की फिसलन हुई, जो कि प्रदर्शन अग्रिम का केवल 0.87 प्रतिशत थी। एक और वृद्धि रिकवरी के रूप में आई, जो 4, 549 करोड़ रुपये थी, जिसमें से तिमाही में रिकवरी 1, 468 करोड़ रुपये थी, जबकि एक साल पहले यह 1, 400 करोड़ रुपये थी। कुल वसूलियों में से तकनीकी रूप से बट्टे खाते में डाले गए खाते 2372.44 करोड़ रुपये थे।

शुद्ध आय को बढ़ाने वाला सबसे महत्वपूर्ण पहलू खराब ऋण के परिमाण में भारी सुधार था, उन्होंने कहा, मार्जिन पक्ष पर लाभ ने भी निचली रेखा को सहायता प्रदान की। तिमाही में सबसे महत्वपूर्ण शुद्ध ब्याज मार्जिन 33 बीएस बढ़कर 3.53 प्रतिशत हो गया। तिमाही के दौरान कुल आय पिछले वर्ष की समान तिमाही के 6, 630.57 करोड़ रुपये से बढ़कर 9, 112.67 करोड़ रुपये हो गई और वर्ष के लिए यह 29, 730.97 करोड़ रुपये से बढ़कर 23, 523.42 करोड़ रुपये हो गई।

श्रीवास्तव ने कहा कि सकल एनपीए एक साल पहले के 7.44 प्रतिशत से आधे से अधिक घटकर 3.10 प्रतिशत हो गया, और इसी तरह शुद्ध एनपीए भी 1.83 प्रतिशत से आधे से अधिक घटकर 0.57 प्रतिशत हो गया। निरपेक्ष रूप से, ये आंकड़े एक साल पहले की तिमाही के 14, 072 करोड़ रुपये से बढ़कर 6, 794 करोड़ रुपये और 3, 266 करोड़ रुपये से बढ़कर 1, 217 करोड़ रुपये हो गए।

तिमाही के लिए शुद्ध ब्याज आय 5, 192 करोड़ रुपये से महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ 6, 629 करोड़ रुपये हो गई। कुल कारोबार 4, 49, 892 करोड़ रुपये से बढ़कर 5, 04, 923 करोड़ रुपये हो गया। इसमें से सकल अग्रिम राशि 1, 89, 009 करोड़ रुपये से बढ़कर 2, 19, 018 करोड़ रुपये हो गई। कुल जमा राशि 2, 60, 883 करोड़ रुपये से बढ़कर 2, 85, 905 करोड़ रुपये हो गई और कम लागत कासा जमा अनुपात 43.74 से बढ़कर 43.90 हो गया और आय अनुपात की लागत 49.23 से बढ़कर 62.58 हो गई।

आईओबी ने कहा कि उसने रु. 13, 472 करोड़ की वसूली के लिए खुली नीलामी पद्धति के तहत ई-नीलामी के माध्यम से 92 गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों को दो लॉट में बेचने के लिए बहुआयामी कदम उठाए हैं।

पिछले सप्ताह के अंत में, बैंक ने एक बयान में कहा कि उसने 92 से अधिक खातों से एनपीए संख्या से अधिकतम राशि वसूलने के लिए एक बिक्री अधिसूचना प्रकाशित की है। बैंक द्वारा पहले उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप जीएनपीए मार्च 2021 के 11.69 प्रतिशत से घटकर दिसंबर 2023 में 3.9 प्रतिशत हो गया था।

पहले पोर्टफोलियो में कंसोर्टियम व्यवस्था के तहत वित्तपोषित 46 खाते, एकाधिक बैंकिंग व्यवस्था के तहत तीन खाते और शेष दो एकमात्र बैंकिंग उद्यम शामिल हैं। इसके अलावा, पोर्टफोलियो के 38 खातों को औपचारिक रूप से एनसीएलटी के दायरे में स्वीकार किया गया है। दूसरे पोर्टफोलियो में 41 एकल बैंकिंग खाते शामिल हैं।

आईओबी ने इच्छुक परिसंपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों और अन्य पात्र हस्तांतरितियों को 28 मई को होने वाली आगामी ई-नीलामी में भाग लेने के लिए 13 मई तक रुचि पत्र जमा करने को कहा है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा मे. विश्व परिवार इंडस्ट्रीज, प्लॉट नं.-421 सेक्टर-सी, सड़क नं.-7 उरला इंडस्ट्रीयल एरिया उरला, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354